राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 13 मई 2024 वर्ष–7,अंक–109 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

## हिमाचल में पर्यटकों की आमद में गिरावट, शिमला में वीकेंड्स पर भीड़

**शिमला ।** हिमाचल की राजधानी शिमला में पर्यटकों की आमद में गिरावट हो रही है। इसका मुख्य कारण चुनाव को माना जा सकता है। यहां बीते वर्ष के मुकाबले होटलों की ऑक्युपेंसी में इस वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट हुई है। हालांकि वीकेंड्स पर अच्छी संख्या में पर्यटक हिमाचल पहुंच रहे हैं। शिमला के मॉल रोड सहित रिज मैदान पर शनिवार शाम को अच्छी खासी भीड़ रही। मीडिया से बातचीत में होटल कारोबारी प्रिंस कुकरेजा ने बताया कि गर्मियां शुरू होने के बाद यह पहला वीकेंड हैं जब अच्छी संख्या में पर्यटक शिमला पहुंचे हैं। इस वीकेंड पर होटलों में करीब 60 से 70 फीसदी ऑक्युपेंसी देखने को मिल रही है। यह ऑक्युपेंसी करीब 30 से 40 प्रतिशत तक रहती है। शिमला में सड़कों की बेहतर सुविधा होने के बाद भी भारी संख्या में पर्यटक शिमला तो पहुंचता है लेकिन वह शिमला में रुकता नहीं है। ऐसे पर्यटक दिनभर में शिमला घूमने के बाद शाम को वापस अपने गंतव्य के लिए रवाना हो जाते हैं। हालाकि डे विजिटर्स की संख्या में बढ़ोतरी हुई है और इस कारण होटलों की ऑक्युपेंसी में भी गिरावट देखने को मिली है। इसके अलावा होटलों में कम ऑक्युपेंसी का कारण यह भी है कि लोग होमस्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट में रुकना पसंद करते हैं। वहीं कश्मीर भी अब पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। इस कारण भी कहीं न कहीं हिमाचल के पर्यटन पर असर देखने को मिल रहा है। यहां के प्रिंस कुकरेजा का कहना है कि कश्मीर खुलने से हिमाचल पर्यटन पर थोड़ा बहुत असर पड़ा है क्योंकि कश्मीर बहुत समय से बंद था। लोग कश्मीर का दीदार करना चाहते हैं। हालांकि शिमला दुनिया के मानचित्र पर है इस कारण लोग शिमला का रुख भी करते हैं। इसलिए कश्मीर के खुलने से शिमला के पर्यटन पर थोड़ा बहुत असर पड़ा है।

## सूरज में हुए विस्फोट और आसमान हो गया लाल

**नासा ने घटना को कैमरे में किया कैद, जारी की तस्वीरें**

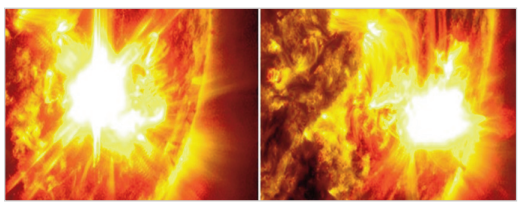

**नई दिल्ली।** अंतरिक्ष रहस्यमयी दुनिया है जिसे आप जितना जानो कम ही है। अंतरिक्ष में जितने रहस्य छिपे हैं उतना ही रोचक भी है, इसलिए इसके बारे में जानने की ललक लोगों में कम नहीं होती। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ऐसी संस्था है जो लोगों की दिलचस्पी को पूरा करती है और अंतरिक्ष की नए तस्वीरों और वीडियो जारी कर लोगों की उत्सुकता बढ़ाती है। हाल ही में नासा ने तस्वीकर पोस्ट की है। नासा ने सूरज पर 10 और 11 मई को दो शक्तिशाली विस्फोट किए जिससे मजबूत सौर ज्वालाएं निकलती हुई दिखाई दे रही हैं। नासा ने एक बयान के अनुसार एजेंसी के सोलर डायनेमिक्स वेधशाला ने दो विस्फोट किए गए जो 10 मई को रात 9.23 बजे और 11 मई को सुबह 7.44 बजे पर चरम पर थीं। वेधशाला ने इस घटना की कई तस्वीरें भी कैमरे में कैद कीं। नासा ने अपने एक्स पर इस घटना की तस्वीरें जारी करते हुए लिखा कि सूरज ने 10-11 मई, 2024 को दो मजबूत सौर ज्वालाएं उत्सर्जित कीं, जो 10 मई को रात 9:23 बजे ईडीटी और 11 मई सुबह 7:44 बजे ईडीटी पर चरम पर थीं। वेधशाला ने घटनाओं की तस्वीरें खींचीं, जिन्हें एक्स5.8 और एक्स1.5-क्लास फ्लेयर्स के रूप में वर्गीकृत किया था। सौर ज्वालाएं ऊर्जा के शक्तिशाली विस्फोट हैं। नासा ने कहा कि आग की लपटें और सौर विस्फोट रेडियो संचार, इलेक्ट्रिक पावर ग्रिड और नेविगेशन सिग्नल को प्रभावित कर सकते हैं और अंतरिक्ष यान और अंतरिक्ष यात्रियों के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

## महाराष्ट्र में कोरोना के नए वेरिएंट की दस्तक से फिर चिंता का माहौल

**- पुणे में 51 और ठाणे में मिले 20 मरीज**

**मुंबई।** समूचे विश्व में कोरोना संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है. पहले जेएन.1 वेरिएंट ने चिंता बढ़ा दी थी अब कोरोना के नए वेरिएंट फिर बढ़ने लगे हैं. अभी केपी.2 वेरिएंट भारत समेत विश्व भर में फ़ैल रहा है. जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र में केपी.2 वेरिएंट फैलने लगा है. आलम यह है कि अबतक 91 मरीज मिले हैं. मिली जानकारी के अनुसार देशभर में कोरोना का यह नया वेरिएंट फ़ैल रहा है. राज्य में भी यह वेरिएंट फैलने लगा है. पुणे में केपी.2 वेरिएंट के 51 मरीज और ठाणे में 20 मरीज मिले हैं. इस नए वेरिएंट का पहला मरीज इस साल जनवरी महीने में अमेरिका में मिला था. बताया जा रहा है कि मार्च और अप्रैल महीने में इस नए वेरिएंट के मरीज महाराष्ट्र में सामने आये हैं. मगर अच्छी बात ये है कि मरीजों को अस्पतालों में भर्ती करने अथवा इससे मौत होने के प्रमाण काफी कम हैं. पुणे और ठाणे को छोड़कर 7 नए मरीज अमरावती तथा औरंगाबाद में मिले हैं. इसके अलावा सोलापुर में 2 एवं अहमदनगर, नाशिक, लातुर तथा सांगली में 1-1 मरीज मिला है. वहीं नवी मुंबई में भी 1 मरीज मिला है.

पीएम ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर, हुगली, आरामबाग और हावड़ा की रैली में कहा

# टीएमसी के गुंडे संदेशखाली की बहनों को डरा रहे

**- कांग्रेस को शहजादे की उम्र से भी कम सीटें मिलेंगी**

**कोलकाता ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के बैरकपुर, हुगली, आरामबाग और हावड़ा में रैली की। प्रधानमंत्री ने कहा कि संदेशखाली की बहनों को डराया-धमकाया जा रहा है। कांग्रेस को इस बार उनके शहजादे की उम्र से भी कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी इस साल 19 जून को 54 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री ने हाल ही में संदेशखाली में यौन उत्पीडन् के मामले में कथित वीडियो पर कहा कि पहले टीएमसी नेताओं को पुलिस ने बचाया। अब टीएमसी ने एक नया खेल शुरू किया है। टीएमसी के गुंडे संदेशखाली की बहनों को डरा रहे हैं, धमका रहे हैं। सिर्फ इसलिए कि अत्याचारी का नाम शाहजहां शेख है।

उन्होंने कहा कि बंगाल में टीएमसी की सरकार में राम का नाम नहीं लेने दिया जाता। रामनवमी नहीं मनाने दी जाती। सीएए का विरोध किया जाता है। ये तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करते हैं। यहां की तस्वीर बता रही है कि बंगाल में इस बार एक अलग माहौल है। कुछ अलग होने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने बंगाल के लोगों को 5 गारंटी भी दी।

**कांग्रेस राज में सिर्फ गरीबी और पलायन मिला**

पीएम ने कहा कि आजादी के बाद 50 वर्ष तक कांग्रेस के परिवार ने ही सरकारें चलाईं, लेकिन पूर्वी भारत को सिर्फ गरीबी और पलायन मिला। पश्चिम बंगाल हो, बिहार हो, झारखंड हो, ओडिशा हो, आंध्र प्रदेश हो। कांग्रेस और इंडी अलायंस के दलों ने पूर्वी भारत को पिछड़ा ही छोड़ दिया। मोदी ने ठाना है कि वो देश के पूर्वी हिस्से को विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बनाएगा। आज हम पूर्वी राज्यों में सडक़ मार्ग, रेलवे और जलमार्ग का एक नेटवर्क बना रहे हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने इस क्षेत्र में औद्योगीकरण को बढ़ाया है। आने वाले वर्ष बंगाल और आसपास के राज्यों के विकास को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित होंगे।

**टीएमसी ने बंगाल को घोटाले का गढ़ बना दिया है**

बैरकपुर की धरती इतिहास रचने वाली धरती है। आजादी में अहम भूमिका निभाने वाली धरती है, लेकिन टीएमसी ने इसका क्या हाल बना दिया है। एक समय था, जब बंगाल की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में ये अपना बड़ा योगदान देता था, आज टीएमसी ने इसे घोटाले का गढ़ बना दिया है। एक समय था, जब बंगाल में एक से बढक़र एक वैज्ञानिक खोज हुआ करती थीं, आज टीएमसी के राज में जगह-जगह बम बनाने की होम इंडस्ट्री चल रही है। एक समय था, जब बंगाल घुसपैठियों के खिलाफ क्रांति किया करता था, लेकिन आज टीएमसी के संरक्षण में यहां घुसपैठिए फल-फूल रहे हैं।

**बंगाल में राम का नाम लेने नहीं दिया जाता**

आज स्थिति ये है कि बंगाल में अपनी आस्था का पालन करना भी गुनाह है। बंगाल में टीएमसी

सरकार राम का नाम नहीं लेने देती। बंगाल में टीएमसी सरकार रामनवमी नहीं मनाने देती। कांग्रेस और लेफ्ट के लोगों ने भी राम मंदिर के विरुद्ध मोर्चा खोल रखा है। क्या टीएमसी , कांग्रेस और लेफ्ट के हाथ में देश सौंपा जा सकता है।

**-5 केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व क्रिकेटर मैदान में; 5700 करोड़ की संपत्ति वाला सबसे अमीर प्रत्याशी भी**

# 10 राज्यों की 96 सीटों पर वोटिंग आज

**नई दिल्ली ।**

2024 लोकसभा चुनाव के चौथे फेज में सोमवार को 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा ने 42, वाईएसआर कांग्रेस ने 22, बीआरएस ने 9 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीती थीं। अन्य को 17 सीटें मिली थीं। इस फेज में देश के दो सबसे अमीर प्रत्याशी मैदान में हैं। आंध्र प्रदेश के गुंटूर से टीडीपी प्रत्याशी के पास 5,705 करोड़ रुपए और तेलंगाना की चेवेल्ल सीट से भाजपा प्रत्याशी के पास 4,568 करोड़ रुपए की संपत्ति है। चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के चौथे फेज में कुल 1,717 कैंडिडेट्स मैदान में हैं, जिनमें 1,540 पुरुष और 170 महिला उम्मीदवार हैं। इनमें महिलाएं केवल 10 प्रतिशत हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म के मुताबिक, इस फेज के 1,710 उम्मीदवारों में से 21 प्रतिशत यानी 360 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 476 यानी 28 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। 24 ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है। 543 लोकसभा सीटों में तीसरे फेज तक 284 सीटों पर मतदान हो गया है। 13 मई तक कुल 380 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा। बाकी 3 चरणों में 163 सीटों पर मतदान होगा।

**274 कैंडिडेट्स पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज**

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 274 कैंडिडेट ऐसे हैं जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 17 उम्मीदवारों

को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है। 11 उम्मीदवारों पर हत्या और 30 पर हत्या की कोशिश के मामले हैं। 50 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। इनमें से 5 पर रेप का मामला भी दर्ज है। वहीं, 44 कैंडिडेट्स पर हेट स्पीच से जुड़े मामले दर्ज हैं।

**28 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति**

एडीआर ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इलेक्शन के चौथे फेज में 1,710 उम्मीदवारों में से 476 यानी 28 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है।

कैंडिडेट्स के पास औसत संपत्ति 11.72 करोड़ रुपए है। शिवसेना (शिंदे गुट), बीजेडी, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), टीडीपी और बीआरएस के सभी प्रत्याशी करोड़पति हैं। 24 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है। वहीं, आंध्र प्रदेश की बापटला सीट से निर्दलीय उम्मीदवार कट्टा आनंद बाबू के पास कुल 7 रुपए की संपत्ति है।

# खड़गे का वादा, सरकार बनी तो विपक्षी नेताओं पर दर्ज मामले वापस लेंगे

**नई दिल्ली।**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा करते हुए कहा कि यदि इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है तो विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों द्वारा दर्ज गलत मामलों को वापस ले लिया जाएगा। खड़गे ने शनिवार को पटना में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा, कि हम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई, आयकर विभाग (आईटी) और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा दर्ज किए गए गलत मामलों को निश्चित रूप से वापस ले लेंगे। खड़गे ने कहा कि ये सभी मामले कानूनी कार्रवाई के परिणामस्वरूप लोगों के खिलाफ दर्ज नहीं किए गए हैं, बल्कि उन्हें परेशान और उत्पीड़न करने की

मंशा से या चुनाव बाधित करने के लिए लगाए गए हैं। सत्ता में आने के बाद हम ऐसा करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने पिछले 10 सालों में विकास पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय विपक्षी नेताओं को परेशान करने में पूरी शक्ति लगाई है। यहां उन्होंने यह जरुर कहा कि गठबंधन सरकार मौजूदा कानूनों की भावना के तहत केंद्रीय एजेंसियों द्वारा उचित रूप से दर्ज किए गए मामलों को वापस नहीं लेगी।

# केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के तीर्थयात्री अव्यवस्था से हुए परेशान

**-पुरोहितों के विरोध के चलते नहीं मिले घोड़े-खच्चर, होटल-ढाबे रहे बंद**

**देहरादून।** केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलते ही भक्तों का यहां तांता लगना शुरू हो गया है। पहले दिन तीर्थयात्रियों का हाल बेहाल हो गया। केदारनाथ में स्थानीय पुरोहितों के विरोध के चलते दुकानें बंद रहीं, घोड़े-खच्चर भी नहीं मिले। चारधाम यात्रा के पंजीकरण के लिए मारामारी मची हुई है। कल शाम तक चारधाम यात्रा के लिए 23 लाख 57 हजार 393 पंजीकरण हुए थे। केदारनाथ के लिए सर्वाधिक आठ लाख सात हजार 90, बदरीनाथ धाम के लिए सात लाख 10 हजार 192, यमुनोत्री के लिए तीन लाख 68 हजार 302 और गंगोत्री के लिए चार लाख 21 हजार 205 लोगों ने पंजीकरण करवाया। वहीं, हेमकुंड साहिब के लिए भी इस बार अभी तक 50 हजार 604 पंजीकरण हो चुके हैं।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के पहले ही दिन तीर्थ पुरोहितों ने केदारपुरी के व्यापारिक प्रतिष्ठान, प्रसाद की दुकानें, खाने के होटल-ढाबे बंद रखे। तीर्थ पुरोहितों ने पंडिताई का काम भी नहीं किया। तीर्थ पुरोहितों की मांग है कि 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम में तोड़-फोड़ करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। आरोप है कि सभी तीर्थ पुरोहित जब अपने गांवों में थे, तब कुछ अधिकारियों ने धाम पहुंचकर मजदूरों से मंदिर के आगे मुख्य मार्ग पर भारी तोड़फोड़ करवा दी।

केदार पैदल मार्ग में घोड़े-खच्चरों के न चलने से यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। घोड़े-खच्चर संचालकों और मालिकों का आरोप है कि उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। पैदल मार्ग पर कहीं भी उन्हें रहने की जगह नहीं दी जा रही है।

जहां भी ठिकाना बनाते हैं, वहां से भगाया जा रहा है। चारधाम पंडा समाज के उपाध्यक्ष संतोष त्रिवेदी ने कहा कि तीर्थ पुरोहितों को मुख्यमंत्री से मिलने के आश्वासन के बाद भी व्यापारियों और पुरोहितों को प्रशासन ने उनसे नहीं मिलने दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि उनका बहिष्कार तब तक जारी रहेगा, जब तक उनकी मांगों पर गौर नहीं किया जाता।

# एक्स ने किए 1.85 लाख से ज्यादा भारतीय अकाउंट बैन

**- यह अकाउंट कंपनी की पॉलिसी का कर रहे थे उल्लंघन**

**नई दिल्ली।**

एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने 30 दिनों में एक लाख 80 हजार से ज्यादा भारतीय अकाउंट्स को बंद कर दिया है। एक्स का इस्तेमाल जरा संभल कर करें क्योंकि एक गलती आपका अकाउंट बैन करवा सकती है। एक्स का दावा है कि उसने 26 मार्च से 25 अप्रैल के बीच भारत में 1,84,241 अकाउंट्स पर बैन लगा दिया है। दरअसल यह अकाउंट कंपनी का पॉलिसी का उल्लंघन कर बाल यौन शोषण और नॉन कंसेंसुअल न्यूडिटी यानी किसी की सहमति के बिना उसकी अंतरंग तस्वीरें या वीडियो को पोस्ट या शेयर करने को बढ़ावा दे रहे थे। एक्स ने बताया कि, माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने इसी अवधि के दौरान देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए 1,303 अकाउंट्स को भी हटाया है।

कुल मिलाकर, एक्स ने इस अवधि में 1,85,544 अकाउंट्स पर बैन लगाया है। यह जानकारी कंपनी ने अपनी मंथली रिपोर्ट में दी है।माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने नए आईटी नियम, 2021 के तहत जारी की गई अपनी मंथली रिपोर्ट में कहा कि उसे अपने ग्रीवेंस रिड्रेसल मैकेनिज्म के माध्यम से इस अवधि के बीच भारत में यूजर्स से 18,562 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसके अलावा, कंपनी ने 118 शिकायतों पर कार्रवाई की जो अकाउंट सस्पेंशन के खिलाफ अपील कर रही थीं। कंपनी ने कहा कि समीक्षा करने के बाद 4 अकाउंट्स के निलंबन को हटा दिया बाकी रिपोर्ट किए गए अकाउंट बैन रहेंगे। इसमें कहा गया है कि हमें इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान अकाउंट्स के बारे में सामान्य प्रश्नों से संबंधित 105 रिक्वेस्ट प्राप्त हुए।

भारत से अधिकांश शिकायतें, बैन उल्लंघन की 7,555, इसके बाद हेटफुल कंडक्ट 3,353, सेंसिटिव एडल्ट कंटेंट 3,335, और दुर्व्यवहार और उत्पीड़न 2,402 के बारे में थीं। 26 फरवरी से 25 मार्च के बीच एक्स ने देश में 2,12,627 अकाउंट पर बैन लगा दिया है।

# फ्लोर टेस्ट के लिए विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में हरियाणा सरकार

**-कांग्रेस ने गवर्नर को 45 विधायकों की सूची सौंपी**

**चंडीगढ़।**

हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की भाजपा सरकार से तीन निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापस लेने के बाद राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति बनी हुई है। अब जानकारी सामने आई है कि सूबे की सरकार फ्लोर टेस्ट पास करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुला सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दावा किया है कि हरियाणा विधानसभा में फ्लोर टेस्ट होगा। उन्होंने कहा कि जेजेपी को इस मामले को नहीं उठाना चाहिए था लेकिन अब उन्होंने उठा लिया है तो वो कटघरे में फंस गए हैं, जेजेपी के 6 विधायक हमारे संपर्क में हैं। खट्टर ने दावा किया कि कांग्रेस भी एकजुट नहीं है, 30 में से चार या पांच विधायक उनके छिटक सकते हैं। राज्यपाल ने कांग्रेस से 30 विधायकों के हस्ताक्षर मांगे थे। कांग्रेस विधायक और चीफ व्हिप भारत भूषण बतरा ने बताया कि विपक्षी दलों के 45 विधायकों के लेटर गवर्नर बंडारू दत्तात

फ्लोर टेस्ट के लिए विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में हरियाणा सरकार

**-कांग्रेस ने गवर्नर को 45 विधायकों की सूची सौंपी**

चंडीगढ़(ईएमएस)। हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की भाजपा सरकार से तीन निर्दलीय विधायकों के समर्थन वापस लेने के बाद राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति बनी हुई है। अब जानकारी सामने आई है कि सूबे की सरकार फ्लोर टेस्ट पास करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुला सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दावा किया है कि हरियाणा विधानसभा में फ्लोर टेस्ट होगा। उन्होंने कहा कि जेजेपी को इस मामले को नहीं उठाना चाहिए था लेकिन अब उन्होंने उठा लिया है तो वो कटघरे में फंस गए हैं, जेजेपी के 6 विधायक हमारे संपर्क में हैं। खट्टर ने दावा किया कि कांग्रेस भी एकजुट नहीं है, 30 में से चार या पांच विधायक उनके छिटक सकते हैं। राज्यपाल ने कांग्रेस से 30 विधायकों के हस्ताक्षर मांगे थे। कांग्रेस विधायक और चीफ व्हिप भारत भूषण बतरा ने बताया कि विपक्षी दलों के 45 विधायकों के लेटर गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय तक पहुंच चुके हैं। गवर्नर को भेजे गए लेटर में दावा किया गया है कि कांग्रेस के 30, जननायक जनता पार्टी के 10, निर्दलीय 4, इंडियन नेशनल लोकदल के एक विधायक फ्लोर टेस्ट की मांग कर चुके हैं। 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में अभी 88 विधायक हैं, इसलिए बहुमत का आंकड़ा 45 ही है।

**दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल को लिखी थी चिट्ठी**

पिछले दिनों हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम और जननायक जनता पार्टी के अध्यक्ष दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को चिट्ठी लिखकर फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की थी। उन्होंने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की है। इस चिट्ठी में लिखा गया था कि वह राज्य में सरकार बनाने वाली किसी भी पार्टी का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। साथ ही ये भी कहा है कि हरियाणा में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

### धनबल छल

हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय के छापे में झारखंड की राजधानी रांची में राज्य सरकार के एक मंत्री के निजी सचिव के सहायक के घर से करोड़ों रुपये के ढेर बरामद होना, हर नागरिक को परेशान कर गया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि यह धन कैसे जुटाया गया होगा और चुनाव के दौरान इसकी क्या भूमिका हो सकती है। लेकिन सवाल यह है कि एक अदने से आदमी के घर इतना धन कैसे पहुंचा? कौन इस खेल के खिलाड़ी हैं? पैसा किसका था? निस्संदेह, ऐसे तमाम सवाल आम नागरिकों को परेशान करते हैं। हालांकि,यह छापेमारी झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता से जुड़े एक मामले में हुई थी, जिसे पिछले वर्ष ईडी ने धन शोधन के मामले में गिरफ्तार किया था। धनशोधन का एक हिस्सा मंत्री के निजी सचिव व उसके घरेलू सहायक से भी जुड़ा था। जाहिर बात है कि सचिव व सहायक तो मात्र मोहरे हैं और बड़े स्तर के संरक्षण के बिना नोटों के अंबार नहीं लगाये जा सकते। प्रकरण यह भी बताता है कि कैसे विकास कार्यों का पैसा उच्च अधिकारियों की मिलीभगत से राजनेताओं तक पहुंचता है। बहरहाल, हाल के दिनों में आम चुनाव की प्रक्रिया में चुनाव आयोग की सख्ती के चलते भारी मात्रा में जो नगदी आदि बरामद की गई है, वह भी चौंकाने वाली है। पहले चरण के मतदान से पूर्व चार हजार छह सौ करोड़ रुपये मूल्य की बरामदगी हो चुकी थी। यह बरामदगी आजाद भारत के आम चुनावों के दौरान हुई सबसे बड़ी बरामदगी है। आयोग के अधिकारियों का कहना है कि हर रोज सौ करोड़ रुपये मूल्य की बरामदगी हो रही है। इस बरामदगी में पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा मादक पदार्थों का रहा है। जाहिर है ये नगदी, सामान व नशीले पदार्थ मतदाताओं को बहकाने,भ्रमित करने व लुभाने के लिये ही ले जाए जा रहे थे। ये कोशिशें धनबल के जरिये चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की हो रही थीं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि चुनाव के दौरान काले धन को सफेद करने की कवायदें खासी तेज हो जाती हैं। इस कालेधन का महज एक छोटा हिस्सा ही चुनाव आयोग और दूसरी नियामक एजेंसियों की नजर में आता है। राजनीतिक दल भी पांच साल तक ज्ञात-अज्ञात स्रोतों से अर्जित धन को चुनावी चंदा बताकर मतदाताओं को बहकाने-लुभाने में खर्च करते रहे हैं। बहुत सारे अनैतिक धंधों से जुड़े लोग भी चुनाव के दौरान जीतने वाले राजनीतिक दल या प्रत्याशी को आर्थिक सहायता देकर बाद में मोटा मुनाफा हासिल करते हैं। यह विडंबना ही है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी हम अपनी चुनाव प्रणाली को पारदर्शी व स्वतंत्र नहीं बना सके। यही वजह है कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले संदिग्ध धन का उपयोग कई तरीके से किया जाता रहा है। हाल के दिनों में शीर्ष अदालत की सक्रियता से चुनावी बॉन्डों के लेनदेन में जो विसंगतियां उजागर हुई उसे सारे देश ने देखा। कैसे दागदार कंपनियां भी चुनावी बॉन्ड खरीदकर पाक-साफ बनी और बड़ी योजनाएं हासिल करने में सफल हुई। जाहिर है कि बड़ी कंपनियां राजनीतिक दलों के चंदे में निवेश इसी मकसद से करती हैं कि जब उनकी सरकार बने तो मुनाफे के शार्टकट हासिल किये जा सकें। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की कारगुजारी पर नजर रखने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं ने कई ऐसे रुझान उजागर भी किये। इस मामले में अदालतों के अलावा चुनाव आयोग को भी अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप लोकतंत्र को प्रभावित करने वाले धनबल पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कदम उठाने होंगे।

## आज का राशीफल

**मेष** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

**वृषभ** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

**मिथुन** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

**कर्क** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

**सिंह** रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**कन्या** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

**तुला** आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**वृश्चिक** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**धनु** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

**मकर** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**कुम्भ** गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

**मीन** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

# भारत में गरीबी उन्मूलन पर पूर्व में गम्भीरता से ध्यान ही नहीं दिया गया

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

भारत में हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में आई भारी कमी के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक एवं विकसित देशों के कई वित्तीय एवं आर्थिक संस्थानों ने भारत की आर्थिक नीतियों की मुक्त कंठ से सराहना की है। यह सब दरअसल भारत में तेज गति से हुए वित्तीय समावेशन के चलते सम्भव हुआ है। याद करें वर्ष 1947, जब देश ने राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी, उस समय देश की अधिकतम आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर थी। जबकि, भारत का इतिहास वैभवशाली रहा है एवं भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था। परंतु, पहिले अरब से आक्रांताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने भारत को जमकर लूटा तथा देश के नागरिकों को गरीबी की ओर धकेल दिया। भारत में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत से 'गरीबी हटाओ' के नारे तो बहुत लगे परंतु, गरीबी नहीं हटी। 'गरीबी हटाओ' के नारे के साथ राजनैतिक दलों ने कई बार सता हासिल की किंतु देश से गरीबी हटाने के गम्भीर प्रयास शायद कभी नहीं हुए और गरीब वर्ग को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा।

भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को वर्ष 2014 में लागू किया गया जिसके माध्यम से आम नागरिकों के बैंकों में बचत खाते खोले गए, आवश्यकता आधारित ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, धन के प्रेषण की सुविधा, बीमा तथा पेंशन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस योजना के अंतर्गत जमाराशि पर ब्याज मिलता है, हालांकि बचत खाते में कोई न्यूनतम राशि रखना आवश्यक नहीं है। एक लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा भी मिलता है। साथ ही, इस योजना के माध्यम से दो लाख रुपए का जीवन बीमा उस लाभार्थी को उसकी मृत्यु पर सामान्य शर्तों पर मिलता है।

भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को सफलता पूर्वक लागू करने के बाद प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना (**Direct Benefit Transfer Scheme**) को भी लागू किया गया जिसके अंतर्गत केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग के हितार्थ चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सहायता की राशि को सीधे ही हितग्राहियों के बचत खातों में जमा कर दिया जाता है। इससे विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को 100 प्रतिशत लाभ की राशि सीधे ही उनके हाथों में पहुंच जाती है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के अंतर्गत, वर्ष 2013 के बाद से 31 मार्च 2022 तक, 24.8 लाख करोड़ रुपए की राशि सीधे ही लाभार्थियों के बचत खातों में जमा की जा चुकी है, इसमें अकेले वित्तीय वर्ष 2021-22 में ही 6.3 लाख करोड़ रुपए की राशि लाभार्थियों के बचत खातों में हस्तांतरित की गई थी। वर्ष 2014 के पूर्व तक जब इन लाभार्थियों के बचत खाते विभिन्न बैंकों में नहीं खुले थे तब तक कांग्रेस एवं अन्य सरकारों के शासनकाल के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सहायता की राशि सामान्यतः नकद राशि के रूप में इन लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जाती थी। आपको शायद ध्यान होगा कि एक बार देश के प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी ने कहा था कि केंद्र सरकार से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सहायता की राशि के एक रुपए में से केवल 16 पैसे ही लाभार्थियों तक पहुंच पाते हैं। शेष 84 पैसे इन योजनाओं को चलाने वाले तंत्र की जेब में पहुंच जाते है। अब आप स्वयं आंकलन करें कि यदि बैंक में 50 करोड़ लाभार्थियों के बचत खाते नहीं खुले होते और यदि उक्त वर्णित केवल 8 वर्षों के दौरान उपलब्ध कराई गई 25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न लाभार्थियों को नकद राशि के रूप में उपलब्ध कराई जाती तो इन लाभार्थियों के पास केवल 4 लाख करोड़ रुपए की राशि ही पहुंच पाती एवं शेष 21 लाख करोड़ रुपए की राशि इन योजनाओं को चलाने वाले तंत्र के पास ही रह जाती। अब आप आगे एक और कल्पना कर लीजिये कि पिछले 70 वर्षों के दौरान कितनी भारी भरकम राशि इन गरीब हितग्राहियों तक नहीं पहुंच पाई होगी। इस राशि का आकार शायद आपकी कल्पना से भी परे है। सहायता की यह राशि यदि गरीबों तक पहुंच गई होती तो शायद हो सकता है कि देश से अभी तक गरीबी भी दूर हो चुकी होती। अब जब प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के अंतर्गत सहायता की राशि हितग्राहियों के खातों में सीधे ही पहुंच रही है तो देश से गरीबी भी तेजी से कम होती दिखाई दे रही है, जिसकी तारीफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुक्त कंठ से हो रही है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय बैंकों के माध्यम से इस दृष्टि से बहुत ठोस कार्य किया गया है। न केवल 50 करोड़ से अधिक बचत खाते विभिन्न भारतीय बैंकों में खोले गए हैं बल्कि आज इन बचत खातों में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि भी जमा हो गई है और बचत की यह भारी भरकम राशि बैंकों द्वारा देश के आर्थिक विकास में उपयोग की जा रही है। इस प्रकार, भारत का गरीब वर्ग भी इन बैंक खातों के माध्यम से देश के आर्थिक विकास में प्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान देता हुआ दिखाई दे रहा है। उक्त 50 करोड़ से अधिक बचत खातों में 50 प्रतिशत खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं, अर्थात अब भारतीय महिलाएं, ग्रामीण महिलाओं सहित, भी आत्मनिर्भर बनती जा रही हैं।

भारी मात्रा में खोले गए इन बचत खातों के माध्यम से गरीब वर्ग के नागरिकों का बैंकिंग सम्बंधी इतिहास भी धीरे धीरे विकसित हो रहा है, जिससे इस वर्ग के नागरिकों को बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने में आसानी होने लगी है। केंद्र सरकार द्वारा बैंकों के माध्यम से लागू की जा रही विभिन्न प्रकार की ऋण योजनाओं का लाभ भी अब गरीब वर्ग को मिलने लगा है। कोरोना महामारी के तुरंत बाद जब देश में स्थितियां सामान्य बनने की ओर अग्रसर हो रहीं थीं तब केंद्र सरकार ने खोमचा वाले, रेहड़ी वाले एवं ठेलों पर अपना सामान बेचकर छोटे छोटे व्यवसाईयों द्वारा अपना व्यापार पुनः प्रारम्भ करने के उद्देश्य से एक विशेष ऋण योजना प्रारम्भ की थी। इस योजना के अंतर्गत उक्त वर्णित छोटे छोटे व्यवसाईयों को बैंक द्वारा आसानी से ऋण प्रदान किया गया था क्योंकि इस वर्ग के नागरिकों के पूर्व में ही

बैंकों में बचत खाते खुले हुए थे। बैंकों द्वारा यह ऋण बगैर किसी व्यक्तिगत गारंटी के प्रदान किया गया था। और, हजारों की संख्या में छोटे छोटे व्यवसाईयों ने निर्धारित समय सीमा में इस ऋण को अदा कर, पुनः बढ़ी हुई राशि के ऋण बैकों से लिए थे और अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाया था। बैकों में खोले गए बचत खातों से गरीब वर्ग को इस प्रकार के लाभ भी हुए हैं।

भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने देश के हर गरीब नागरिक को वित्तीय मुख्य धारा से जोड़ा है। समाज के अंतिम छोर पर बैठे गरीबतम व्यक्तियों को भी इस योजना का लाभ मिला है। आजादी के लगभग 70 वर्षों के बाद भी भारत के 50 प्रतिशत नागरिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ अर्थात बैकों से नहीं जुड़े थे। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खाताधारकों को प्रदान की जाने वाली अन्य सुविधाओं का लाभ भी भारी मात्रा में नागरिकों ने उठाया है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से 15.99 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 49 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का जीवन बीमा केवल 436 रुपए के वार्षिक प्रीमियम पर उपलब्ध कराया जाता है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 33.78 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 48 प्रतिशत महिला लाभार्थी हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा केवल 20 रुपए के वार्षिक प्रीमियम पर उपलब्ध कराया जाता है। अटल पेंशन योजना से 5.20 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं। मुद्रा योजना के अंतर्गत 40.83 करोड़ नागरिकों को ऋण प्रदान किया गया है।

प्रधानमंत्री जनधन योजना अपने प्रारम्भिक समय से ही वित्तीय समावेशन के लिए एक क्रांतिकारी कदम मानी जा रही है। इस योजना के अंतर्गत खोले गए बचत खातों में से लगभग 67 प्रतिशत बचत खाते ग्रामीण एवं अर्धशहरी केंद्रों पर खोले गए हैं, जिसे मजबूत होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। भारत में बैंकिंग व्यवस्था को आसान बनाने के उद्देश्य से डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ाने का कार्य भी सफलतापूर्वक किया गया है। इस योजना के अंतर्गत खोले गए बचत खाताधारकों को रूपे डेबिट कार्ड प्रदान किया गया है। यह रूपे कार्ड उपयोगकर्ता द्वारा समस्त एटीएम, पोस टर्मिनल एवं ई-कामर्स वेबसाइट पर लेनदेन करने की दृष्टि से उपयोग किया जा सकता है। वर्ष 2016 में 15.78 करोड़ बचत खाताधारकों को रूपे कार्ड प्रदान किया गया था एवं अप्रेल 2023 तक यह संख्या बचकर 33.5 करोड़ तक पहुंच गई है।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक)

# संत कवि सूरदास की कृष्ण आराधना

(लेखक - संजय गोस्वामी)

सूरदास की जयंती पर विशेष

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को सूरदास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को सूरदास जयंती (**Surdas Jayanti** 2024) के रूप में मनाया जाता है। अतः सूरदास की जयंती 12 मई 2024 को है।उनके पिता का नाम पंडित था। रामदास सारस्वत ब्राह्मण और माता का नाम जमुना दास था। सूरदास के पिता एक प्रसिद्ध गायक थे। सूरदास के जन्मांध होने की कई कहानियाँ प्रचलित हैं। कुछ विद्वानों का मानना है कि वह जन्म से ही अंधे थे, जबकि अन्य का मानना है कि वह बाद में अंधे हो गये। फरीदाबाद के निकट जी गाँव में उनका जन्म हुआ था वे जन्म से ही अंधे थे इसलिए उनका नाम सूरदास हुआ उन्होंने सूरसागर आदि महान रचनाओं की रचना की थी। सूरदास ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पिता से प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने संस्कृत, व्याकरण, साहित्य और संगीत का अध्ययन किया। वह एक कुशल गायक और कवि थे। एक बार सूरदास की भेंट श्री वल्लभाचार्य से आगरा के निकट गऊघाट पर हुई। वल्लभाचार्य ने उन्हें पुष्टिमार्ग में दीक्षित किया और कृष्णलीला के पद गाने का आदेश दिया। वल्लभाचार्य के शिष्य के रूप में सूरदास ने कई वर्षों तक कृष्णलीला के कई पद गाए और लिखे। सूरदास को वल्लभाचार्य का शिष्य माना जाता है। वे मथुरा के गऊघाट स्थित श्रीनाथ जी के मंदिर में रहते थे। सूरदास का भी विवाह हो गया। आपको बता दें कि अलग होने से पहले वह अपने परिवार के साथ रहते थे। वल्लभाचार्य से मिलने से पहले सूरदास विनम्रता के पद गाते थे, लेकिन जब वे वल्लभाचार्य से मिले और उनके संपर्क में आए तो उन्होंने कृष्णलीला गाना शुरू कर दिया। कहा जाता है कि तुलसी की मुलाकात एक बार मथुरा में सूरदास जी से हुई और धीरे-धीरे उनके बीच प्रेम की भावना बढ़ती गई। ऐसा माना जाता है कि तुलसीदास ने सूरदास के प्रभाव में आकर श्री कृष्ण गीतावली की रचना की थी। सूरदास की सबसे प्रसिद्ध रचना सूरसागर है। यह एक महाकाव्य है जिसमें कृष्णलीला का वर्णन है। इस महाकाव्य में सूरदास ने कृष्ण के बचपन से लेकर उनके द्वारिका प्रवास तक की घटनाओं का वर्णन किया है। इस रचना ने सूरदास को हिन्दी साहित्य का सूर्य बना दिया। वह अपनी रचना सूरसागर के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। ऐसा माना जाता है कि उनके काम में लगभग 100000 गाने हैं, लेकिन आज केवल 8000 ही बचे हैं। इन गीतों में कृष्ण के बचपन और उनकी लीलाओं का वर्णन किया गया है। सूरदास अपनी कृष्ण भक्ति के साथ-साथ अपनी प्रसिद्ध रचना सूरसागर के लिए भी जाने जाते हैं। सूरदास की अनेक गद्य कृति है। इसमें सूरदास ने अपने जीवन और अनुभवों का वर्णन किया है। साहित्य लहरी 118 छंदों की एक लघु रचना है। यह सूरदास की एक काव्य रचना है। इसमें नल और दमयंती के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। यह सूरदास की अनेक काव्य रचना भगवान

कृष्ण के प्रति सच्ची भक्ती को दर्शाता है। इसमें कृष्ण और राधा के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। सूरदास एक महान भक्त कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना का परिचय दिया। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है।

सूरदास एक भावुक कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति के भावपूर्ण रूप को व्यक्त किया है। सूरदास हिन्दी साहित्य के महान कवि थे। उनकी कृतियों ने हिन्दी साहित्य को गौरवान्वित किया है। उनकी कविता का प्रभाव हिन्दी साहित्य के परवर्ती कवियों पर पड़ा। सूरदास की रचनाओं में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति की भावना सर्वोपरि है। वह भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना दर्शायी है। उनके काव्य में कृष्ण के प्रति प्रेम, सौन्दर्य और करुणा की भावनाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। सूरदास एक कुशल कवि थे।

उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। इनमें छंद, अलंकार और रस का सुंदर प्रयोग हुआ है सूरदास की मृत्यु जुलाई 1583 ई. में हुई। वे हिन्दी साहित्य के अमर कवि हैं। उनके काम आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं और लोग उनकी रचनाओं को बड़े चाव से गाते हैं।

## विचार मंथन

# भाजपा के नहले पर केजरीवाल का दहला?

(लेखक- सनत जैन)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाला मामले में 50 दिन तिहाड़ जेल की हिरासत में रहकर अंतरिम जमानत पर बाहर निकले हैं। जेल से बाहर आने के फौरन बाद अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के नहले पर दहला चलकर भाजपा को जीत से दूर ले जाने की पहल की है। भारतीय जनता पार्टी हमेशा विपक्षी दलों और मतदाताओं से पूछती है, भाजपा के पास मोदी है और विपक्ष के पास प्रधानमंत्री का दावेदार कौन है? दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अब भाजपा से पूछा है, नरेंद्र मोदी के बाद उनका प्रधानमंत्री कौन होगा। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री ओर भाजपा संगठन द्वारा बनाए गए 75 साल के फार्मूले का उल्लेख किया है। केजरीवाल ने कहा, भाजपा के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी, लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन जैसे ताकतवर नेताओं को मार्गदर्शक मंडल में ले जाकर प्रधानमंत्री ने बिठा दिया है। भाजपा की दूसरी पीढ़ी के नेता जिसमें शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे सिंधिया और रमन सिंह आदि को सत्ता से दूर कर दिया है। प्रधानमंत्री पद की दौड़ से अलग कर दिया है। यह कहकर केजरीवाल ने भाजपा के अंदर नेताओं में फूट डालने की कोशिश की है। अगले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 वर्ष के होने जा रहे हैं। इनके बाद किसको भाजपा प्रधानमंत्री बनाएगी। इसका नाम भाजपा बताए। अरविंद केजरीवाल ने एक गूगली और फेंक दी है। नरेंद्र मोदी अपने बाद अमित शाह को ही प्रधानमंत्री बनाएंगे। उन्होंने जनता से अपील करते हुए, कह दिया कि आप जो भी वोट कर रहे हैं, वह मोदी को प्रधानमंत्री बनाने लिए नहीं, बल्कि अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए करेंगे। एक तीर से दो शिकार करने की केजरीवाल ने कोशिश की है। भाजपा संगठन में जहां अमित शाह के विरोधियों और प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल नेताओं को उकसाने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे तो ऐसी स्थिति में उनकी गारंटियों को कौन पूरा करेगा? ऐसा कहकर उन्होंने मतदाताओं के मन में संशय पैदा करने की कोशिश की है। अरविंद केजरीवाल के जेल से छूटने के बाद दिए गए इस सार्वजनिक बयान के बाद, जैसी प्रतिक्रिया भाजपा की ओर से होनी चाहिए थी, वह प्रतिक्रिया हुई है। गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सामने आकर कहना पड़ा, यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आए, तो वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उनके लिए 75 साल का नियम लागू नहीं होगा। नाही संविधान में प्रधानमंत्री पद के लिए आयु सीमा अथवा उत्तराधिकारी की कोई व्यवस्था नहीं है। गृहमंत्री अमित शाह ने यह भी कह दिया कि 2029 के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व करते रहेंगे। इंडिया गठबंधन से प्रधानमंत्री का नाम बताने का जो सवाल, भाजपा खड़ी करती रही है। एक तरह से केजरीवाल ने अब भारतीय जनता पार्टी को नरेंद्र मोदी के बाद कौन, को लेकर घेरने का काम किया है। भारतीय जनता पार्टी के अंदर नरेंद्र मोदी और अमित शाह को लेकर कहीं ना कहीं नाराजगी देखने को मिल रही है। इस नाराजगी को सतह से बाहर लाने की दिशा में केजरीवाल का यह बयान, निश्चित रूप से भाजपा संगठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह के बीच दूरियां बढाने वाला बयान माना जा रहा है। भाजपा के अंदर एक जंग शुरू कराने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से विपक्षी दलों में विघटन पैदा कर, उन्हें कमजोर करने का काम करती रही है, उसी रणनीति पर अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला किया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में केजरीवाल ने भाजपा से ही पूछ लिया, मोदी के बाद कौन, इसका जवाब भाजपा दे। भारतीय जनता पार्टी सारे देश में प्रधानमंत्री मोदी के नाम और मोदी की गारंटी के नाम पर चुनाव लड़ रही है। ऐसी स्थिति में भाजपा के नहले पर केजरीवाल का यह दहला माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव में सभी अपनी-अपनी बाजी चल रहे हैं। आखिर में जो जीतेगा,वही सिकंदर माना जाएगा। भाजपा के शांत समुद्र में कंकर फेंक कर हलचल तो केजरीवाल ने पैदा कर ही दी है। भाजपा संगठन में जिस तरह से केंद्रीयकरण हुआ है। उसमें भाजपा संगठन के नेताओं में कहीं ना कहीं नाराजी देखने को मिल रही है। इसी नाराजगी को उभारने का काम अरविंद केजरीवाल कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सरकार बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदेगी

**नई दिल्ली ।** उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सामान्य उपलब्धता, स्थिर कीमतों और सर्दियों की फसल से 1.91 लाख टन होने वाले मजबूत उत्पादन का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को प्याज की दरें बढ़ने की उम्मीद नहीं है। अक्सर प्याज के दाम देखते ही देखते आसमान छूने लगते हैं। लेकिन चुनाव नजदीक देख सरकार ऐसा नहीं होने देना चाहती। इसलिए सरकार ने इस साल अपने बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की योजना बनाई है। इसका इस्तेमाल कीमतें बढ़ने की स्थिति में उन्हें काबू करने के लिए किया जा सकता है। इसी को लेकर सरकार ने किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार ने कीमतों में वृद्धि होने पर आपूर्ति बढ़ाने के लिए 2024-25 के लिए पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाने के लिए बाजार दरों पर किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है। यदि प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो बफर सरकार को बाजारों में हस्तक्षेप करने की इजाजत देगा। खासकर तब जब सरकार ने पिछले सप्ताह प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का एलान कर दिया है। गौरतलब है, देश में चल रहे लोकसभा चुनावों के बीच सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का फैसला लिया, लेकिन साथ न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन तय किया है। इसके साथ ही प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क भी लगा दिया है। पिछले साल अगस्त में भारत ने 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सामान्य उपलब्धता, स्थिर कीमतों और सर्दियों की फसल से 1.91 लाख टन होने वाले मजबूत उत्पादन का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को मुक्त निर्यात के कारण प्याज की दरें बढ़ने की उम्मीद नहीं है।

## बीते वित्त वर्ष में चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा

### - अमेरिका से भारत का आयात लगभग 20 प्रतिशत घटकर 40.8 अरब डॉलर रह गया

**नई दिल्ली ।** भारत के साथ व्यापार के मामले में चीन ने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। चीन बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 118.3 अरब डॉलर रहा है। 2021-22 और 2022-23 में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 16.67 अरब डॉलर हो गया। लौह अयस्क, सूती धागा, कपड़े, मेडअप, हथकरघा, मसाले, फल और सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसे क्षेत्रों में भारत का निर्यात बढ़ा है। वहीं बीते वित्त वर्ष में पड़ोसी देश से भारत का आयात 3.24 प्रतिशत बढ़कर 101.7 अरब डॉलर हो गया। दूसरी ओर अमेरिका को निर्यात 2023-24 में 1.32 प्रतिशत घटकर 77.5 अरब डॉलर रह गया। 2022-23 में यह 78.54 अरब डॉलर था। अमेरिका से भारत का आयात लगभग 20 प्रतिशत घटकर 40.8 अरब डॉलर रह गया। जीटीआरआई ने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 के दौरान शीर्ष 15 व्यापारिक भागीदारों के साथ भारत के व्यापार में काफी बदलाव आया है। इससे न केवल आयात और निर्यात प्रभावित हुआ है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार अधिशेष और व्यापार घाटे की स्थिति भी बदली है। इसमें कहा गया है कि इस अवधि में चीन को निर्यात में 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई, जो 16.75 अरब डॉलर से घटकर 16.66 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं चीन से आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डॉलर से 101.75 अरब डॉलर हो गया।

# एफपीआई ने मई में शेयरों से 17,000 करोड़ निकाले

### - पिछले अप्रैल महीने में एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी

**नई दिल्ली ।**

चालू माह मई के पहले 10 दिन में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से 17,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। आम चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच ऊंचे मूल्यांकन और मुनाफा काटने के लिए विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजारों से पैसा निकाल रहे हैं। इससे पहले पिछले अप्रैल महीने मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने की वजह से एफपीआई ने शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस तरह चालू माह के पहले 10 दिन में ही एफपीआई अप्रैल से अधिक की निकासी कर चुके हैं।

इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। माना जा रहा है कि आम चुनाव के बाद भारतीय कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ाएंगे।

बाजार के जानकारों ने कहा कि चुनाव परिणाम स्पष्ट होने तक एफपीआई सतर्क रुख अपना सकते हैं, लेकिन नतीजे अनुकूल रहने और राजनीतिक स्थिरता की स्थिति में वे भारतीय बाजारों में बड़ा निवेश कर सकते हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 10 मई तक शेयरों से 17,083 करोड़ रुपये निकाले हैं। चुनाव नतीजों से पहले वे बाजार में आने से कतरा रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 1,602 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कुल मिलाकर 2024 में अब तक एफपीआई शेयरों से 14,860 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

हालांकि उन्होंने ऋण या बॉन्ड बाजार में 14,307 करोड़ रुपये डाले हैं।

## सोने में बढ़ोतरी का रुख जारी रहेगा

**नई दिल्ली।** सोने-चांदी की कीमतों में अभी तेजी देखी जा रही है। अक्षय तृतीया से पहले तेजी देखने को मिली थी। अक्षय तृतीया के दिन भी सोना-चांदी उछाल के साथ खुले थे। सोना-चांदी महंगे हुए थे। इस दौरान सोने की कीमत 71 हजार रुपये के ऊपर निकल गई थी। एमसीएक्स एक्सचेंज पर बीते शुक्रवार को 5 जून 2024 की डिलीवरी वाला सोना सुबह 526 रुपये की तेजी के साथ 72,165 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार को 5 जुलाई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी सुबह 585 रुपये बढ़कर 85,085 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। हालांकि इससे पहले सोने में काफी गिरावट रही थी। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी सोने में बढ़ोतरी का रुख जारी रहेगा। क्योंकि अमेरिका का रिजर्व बैंक ब्याज दर कम करने वाला है जिससे डॉलर कमजोर होगा। इससे सोने के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। वहीं सोना विदेशी मुद्रा भंडार का हिस्सा होता है और वैश्विक भू-राजनीतिक स्थितियों से पिछले कुछ सालों से करेंसी में उतार-चढ़ाव हो रहा है। ऐसे में अपनी करेंसी के मूल्य को बचाने के लिए विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंक सोने की खरीदारी कर रहे हैं। इस साल फरवरी में भारत में गोल्ड ईटीएफ में 9.3 करोड़ डालर का निवेश किया गया जो पिछले छह माह में सबसे अधिक है। चीन में भी सोने की मांग लगातार बढ़ रही है। दुनिया में सोने की सबसे अधिक खपत चीन और उसके बाद भारत में होती है। सोने की सीमित आपूर्ति से भी इसकी कीमत लगातार मजबूत हो रही है।

## गोल्ड ईटीएफ से निवेशकों ने अप्रैल में 396 करोड़ निकाले

**नई दिल्ली ।** गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से पिछले महीने अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की निकासी की है। निवेशकों के मुनाफा कमाने की वजह से यह निकासी हुई है। इससे पहले मार्च, 2023 में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से निकासी की थी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार इस निकासी के बावजूद अप्रैल के ओ खिरी में स्वर्ण कोषों के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) पांच प्रतिशत बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये हो गईं, जो पिछले महीने में 31,224 करोड़ रुपये पर थीं। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ से 396 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जबकि पिछले महीने में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआ था। आखिरी बार इस परिसंपत्ति वर्ग से निकासी मार्च, 2023 में हुई थी। उस समय गोल्ड ईटीएफ से 266 करोड़ रुपये निकाले गए थे। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि भारतीय रुपये के संदर्भ में सोने ने पिछले वर्ष काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शेयरों से तुलना की जाए, यह काफी कम है। इस पृष्ठभूमि में गोल्ड ईटीएफ श्रेणी में प्रवाह शेयरों की तुलना में कमजोर रहा है।

# वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

### - कच्चे तेल के दाम और रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा तय करेगा

**मुंबई ।**

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आम चुनाव से जुड़ी खबरों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा तय करेगा। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर काफी आर्थिक आंकड़े आने हैं। घरेलू मोर्चे पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के साथ थोक महंगाई दर के आंकड़े जारी किए जाएंगे। वैश्विक स्तर पर सभी का ध्यान अमेरिका के उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों पर होगा। इसके अलावा फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल के संबोधन पर भी सभी की निगाह रहेगी। इस सप्ताह चीन के औद्योगिक उत्पादन और जापान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े भी आने हैं। चुनाव के कारण अनिश्चितताओं के चलते घरेलू बाजार में मौजूदा रुझान फिलहाल जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान निवेशकों की निगाह अमेरिका और भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति, जापान के जीडीपी के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व प्रमुख के बयान पर रहेगी। साथ ही बाजार कंपनियों के तिमाही नतीजों से भी दिशा लेगा। सप्ताह के दौरान डीएलएफ, जोमैटो, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आएंगे।

बाजार का परिदृश्य प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अलावा अमेरिका के उत्पादक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों, जापान के जीडीपी आंकड़ों तथा फेडरल रिजर्व प्रमुख के वक्तव्य पर सभी की निगाह रहेगी। बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि बाजार की दिशा कंपनियों के चौथी तिमाही नतीजों के अलावा वैश्विक कारकों तथा चुनाव से जुड़ी खबरों से तय होगी।

# सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी कंपनियों ने अप्रैल में 50,200 करोड़ पूंजीगत व्यय किया

### - पिछले वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय का लक्ष्य 7.42 लाख करोड़ रुपये था

**नई दिल्ली ।**

चालू वित्त वर्ष के पहले महीने अप्रैल में सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी कंपनियों ने 50,200 करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय किया है। यह 2024-25 के 7.77 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय लक्ष्य का 6.46 प्रतिशत है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल महीने में खर्च की गई 54,177 करोड़ रुपये से कम है। पिछले वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय का लक्ष्य 7.42 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह अप्रैल में सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े उपक्रमों का पूंजीगत व्यय लक्ष्य का 7.3 प्रतिशत रहा था। अधिकारी ने कहा कि आगे चलकर पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा अप्रैल के आंकड़े अभी अस्थायी हैं और संशोधित अंतिम आंकड़ों में यह बढ़ जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 के पहले महीने के दौरान पूंजीगत व्यय में प्रमुख योगदान रेलवे, सड़क और तेल और गैस क्षेत्रों का रहा है। भारतीय रेलवे और क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने अप्रैल में 26,641 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 6,645 करोड़ रुपये खर्च किए। तेल और गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों में, ओएनजीसी ने चालू वित्त वर्ष के पहले महीने में 2,318 करोड़ रुपये, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने 2,423 करोड़ रुपये खर्च किए। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने अप्रैल में क्रमशः 1,155 करोड़ रुपये और 417 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया। बिजली क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम एनटीपीसी ने 2,083 करोड़ रुपये खर्च किये। वित्त मंत्रालय उन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के पूंजीगत व्यय की निगरानी करता है जिनका वार्षिक निवेश लक्ष्य 100 करोड़ रुपये से अधिक है। 2024-25 के अंतरिम बजट में सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए कुल 9.01 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें से 7.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश ऐसे सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा किया जाना है जिनका वार्षिक पूंजीगत व्यय लक्ष्य 100 करोड़ रुपये से अधिक है।

## बीते सप्ताह तेल तिलहनों के दाम मजबूत बंद हुए

**नई दिल्ली ।** शिकागो एक्सचेंज में तेजी के बाद देश के बाजारों में शनिवार को सभी तेल तिलहनों के दाम मजबूत बंद हुए तथा सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तेल-तिलहन कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम मजबूती दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि शिकागो एक्सचेंज कल रात करीब 4.5 प्रतिशत मजबूत बंद हुआ और इसका असर सभी तेल तिलहन कीमतों में देखने को मिला। पिछले सप्ताह सोयाबीन डीगम तेल का दाम पहले के 915-920 डॉलर से बढ़कर 990-1,000 डॉलर प्रति टन हो गया। इस तेजी ने सभी तेल तिलहनों के दाम को मजबूत कर दिया। किसान नीचे भाव मे बिकवाली नहीं कर रहे हैं। ब्रांडेड खाद्य तेल बनाने वाली कंपनियों के पास सरसों का स्टॉक नहीं है। किसी अफवाह में फंसकर किसानों ने अब तक बेसब्र बिकवाली का रास्ता नहीं चुना है। इसी तरह बिनौले की उपलब्धता भी काफी कम है। किसान सोयाबीन की भी कम दाम में बिकवाली करने से बच रहे हैं। उन्हें सरकार की ओर से कोई रास्ता निकाले जाने की उम्मीद है ताकि देशी तेल तिलहन की बाजार में खपत की स्थिति तैयार हो। सरसों और मूंगफली अभी भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे दाम पर बिक रहे हैं।

# चालू वित्त वर्ष में अडाणी एंटरप्राइजेज 80,000 करोड़ का निवेश करेगी

### - पूंजीगत व्यय का एक बड़ा हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार और हवाई अड्डों पर होगा

**नई दिल्ली ।**

अरबपति उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में 80,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी ने यह जानकारी दी। अडाणी एंटरप्राइजेज की उपस्थिति नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर हवाई अड्डा और डाटा केंद्रों जैसे क्षेत्रों में हैं।

कंपनी के एक अधिकारी ने एक विश्लेषक कॉल में कहा कि कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 के पूंजीगत व्यय का एक बड़ा हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार और हवाई अड्डों पर होगा। उन्होंने कहा कि हम 2024-25 में लगभग 80,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय पर विचार कर रहे हैं। जिसमें से एक बड़ा हिस्सा एएनआईएल और हवाई अड्डा कारोबार में जाएगा। इन क्षेत्रों में लगभग 50,000 करोड़ रुपये का व्यय होगा। अडाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) सौर मॉड्यूल बनाती है जो सूर्य के प्रकाश को बिजली और हरित हाइड्रोजन में परिवर्तित करता है। उन्होंने कहा कि फिर तीसरा हिस्सा सड़कों का होगा। गंगा एक्सप्रेसवे के कारण सड़क क्षेत्र में 12,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। शेष राशि अन्य कारोबार क्षेत्रों पर खर्च की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम अपनी पीवीसी परियोजना भी शुरू करने जा रहे हैं। ऐसे में पीवीसी कारोबार में 10,000 करोड़ रुपये लगाए जाएंगे।

शेष 5,000 करोड़ रुपये डाटा केंद्रों पर खर्च होंगे। उन्होने कहा कि एएनआईएल 10 गीगावाट सौर मॉड्यूल के साथ-साथ तीन गीगावाट पवन टर्बाइन का उत्पादन करने के लिए कारखानों को लक्षित कर रही है।

# बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 449 परियोजनाओं की लागत 5.01 लाख करोड़ बढ़ी

### - इन 1,873 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 26,87,535.69 करोड़ रुपये थी

**नई दिल्ली।**

देरी और अन्य कारणों से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 449 परियोजनाओं की लागत मार्च, 2024 में तय अनुमान से 5.01 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च, 2024 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,873 परियोजनाओं में से 449 की लागत बढ़ गई है, जबकि 779 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,873 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 26,87,535.69 करोड़ रुपये थी लेकिन अब इसके बढ़कर 31,88,859.02 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 18.65 प्रतिशत यानी 5,01,323.33 करोड़ रुपये बढ़ गई है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 567 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 393 परियोजनाओं के चालू होने के समय का जिक्र नहीं किया गया है। देरी से चल रही 779 परियोजनाओं में से 202 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 181 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 277 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 119 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 779 परियोजनाओं में विलंब का औसत 36.04 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

## पेटीएम के शेयर में लगातार दो सत्रों में तेजी रही

**नई दिल्ली ।** पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशन) के शेयर लगातार 2 सत्रों में तेजी के बाद 13 फीसदी की बढ़त के साथ 349 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। शुक्रवार को पेटीएम 5 फीसदी के अपर सर्किट पर बंद हुआ। गुरुवार और शुक्रवार को शेयर 12.9 फीसदी चढ़ा। उससे पहले यह अपने 52 हफ्तों के लो 310 रुपये पर था। पेटीएम के शेयरों में तेजी की वजह उनके द्वारा किया गया एक खबर का खंडन था। दरअसल, ऐसी खबरें थी कि आदित्य बिड़ला फाइनेंस से पेटीएम से लोन गारंटी वापस ले ली है। इसका पेटीएम ने खंडन कर दिया जिसके बाद शेयरों में तेजी दिखने लगी। पेटीएम का कहना था कि वह कई बैंकों और एनबीएफसी के साथ मिलकर काम कर रही है और लोन देने का काम जारी है। कंपनी ने कहा है कि उनका पर्सनल लोन बिजनेस बिलकुल बाधित नहीं है और प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। ब्रोकरेज के अनुसार, यह शेयर अगर 360 के लेवल को पार करता है तो आगे 400 रुपये के स्तर तक जा सकता है। अगर ऐसा नहीं होता तो यह और नीचे जा सकता है। पिछले साल अक्टूबर में पेटीएम के शेयर 998.30 रुपये पर पहुंच गए थे। यह इनका 52 हफ्तों का उच्च स्तर था।

## सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.73 लाख करोड़ घटा

### - एचडीएफसी बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम सबसे अधिक नुकसान में रहीं

**नई दिल्ली ।**

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,73,097.59 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 60,678.26 करोड़ रुपये घटकर 10,93,026.58 करोड़ रुपये, एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में 43,168.1 करोड़ घटकर 5,76,049.17 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 36,094.96 करोड़ रुपये घटकर 19,04,643.44 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 17,567.94 करोड़ रुपये घटकर 7,84,833.83 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 11,780.49 करोड़ रुपये घटकर 7,30,345.62 करोड़ रुपये और आईटीसी के मूल्यांकन में 3,807.84 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,40,838.13 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 33,270.22 करोड़ रुपये बढ़कर 5,53,822.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने सप्ताह के दौरान 20,442.2 करोड़ रुपये जोड़े और इसकी बाजार हैसियत बढ़कर 14,09,552.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 14,653.98 करोड़ रुपये बढ़कर 7,38,424.68 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का मूल्यांकन 3,611.26 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,91,560.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

## सूर्यकुमार को आउट करने गेंदबाजी सरल बनाये रखी : रसेल

**कोलकाता ।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मुम्बई इंडियंस पर जीत में आंद्रे रसेल की अहम भूमिका रही। रसेल की एक शानदार गेंद पर मुम्बई के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पेवेलियन लौटे। सूर्यकुमार उस समय काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे पर रसेल की एक गेंद पर वह अपना विकेट गंवा बैठे। सूर्या के आउट होते ही मैच केकेआर के हाथ में आ गया क्योंकि मुम्बई के बीच हुए बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते चले गये। मैच में जीत के बाद उत्साहित रसेल ने अपनी शानदार गेंदबाजी को लेकर कहा कि पिच से स्पिनरों को सहायता मिल रही है, ये उन्हें पहले ही पता चल गया था। रसेल के अनुसार हमें अच्छे गेंदबाजी आक्रमण होने का लाभ मिला। मुंबई की शुरुआत अच्छी थी पर हमने अच्छी गेंदबाजी करते हुए वापसी की। हमारे गेंदबाजों ने हमें यह जीत दिलाई। वहीं सूर्यकुमार को फेंकी गई गेंद को उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार 360 आदमी वाला बल्लेबाज है। इसी लिए मैंने गेंदबाजी सरल बनाये रखने का प्रयास किया। मुझे लगता है कि यह सिर्फ विश्वास के बारे में है। आप जितना अधिक खेलते हैं उतने ही अनुभवी होते जाते हैं। मैंने अपनी फिटनेस पर काम किया है और टीम को जो भी चाहिए उस भूमिका को मैं निभाने का प्रयास करता हूं।

# टाइटंस प्लेऑफ के लिए संभावनाएं बनाये रखने केकेआर पर जीत के इरादे से उतरेगी

**अहमदाबाद ।**

गुजरात टाइटंस टीम आईपीएम में सोमवार को अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने के लिए उतरेगी। केकेआर टीम जहां प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम है। वहीं गुजरात को अपनी उम्मीदे बरकरार रखने बचे हुए अगले 2 मैच जीतने होंगे। गुजरात ने अपने पिछले 5 मैचों में से 2 में जीत दर्ज की है। ऐसे में उसके लिए ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा क्योंकि केकेआर जबरदस्त लय में है। उसके बल्लेबाज पर अंकुश लगाना गुजरात के लिए आसान नहीं रहेगा। गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन, राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान मोहित शर्मा और स्पिनर राशिद खान के पास रहेगी। केकेआर ने अपने 12 में से 9 मैच जीते हैं और अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर है। केकेआर ने लगातार 4 मैच जीते हैं। गुजरात और कोलकाता ने अब तक एक-दूसरे के खिलाफ 3 आईपीएल मैच खेले हैं। इसमें से गुजरात ने 2 जीते हैं जबकि केकेआर ने 1 जीता है। केकेआर के खिलाफ गुजरात का अब तक का सबसे अधिक स्कोर 204 है। वहीं केकेआर का 207 रन है। केकेआर के पास सुनील नरेन, फिलिप साल्ट और अंगकृष रघुवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों के अलावा मिशेल स्टार्क और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर हैं। ऐसे में ये मुकाबला बेहद मुश्किल नजर आता है।

अंतिम बार जब इनका मुकाबला हुआ था तब गुजरात ने जोशुआ लिटिल के 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लेने लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड जीता था। गुजरात ने यह मैच 7 विकेट से जीत लिया। अहमदाबाद की पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को बराबर अवसर प्रदान करती है। इस मैदान पर खेले गये पिछले मुकाबले में काफी रन बने थे। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 231 रन बनाये थे। तब सलामी बल्लेबाजों शुभमन गिल और साई सुदर्शन दोनो ने शतक लगाये थे।

**दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :**

**केकेआर :** श्रेयस अय्यर (कप्तान), श्रीकर भरत, मनीष पांडे, रहमानुल्लाह गुरबाज, रमनदीप सिंह, नितीश राणा, शेरफेन रदरफोर्ड, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, आंद्रे रसेल, वैभव अरोड़ा, दुष्मंथा चमीरा, हर्षित राणा, मुजीब उर रहमान, चेतन सकारिया, मिशेल स्टार्क, सुयश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, साकिब हुसैन, अंगकृष रघुवंशी, फिलिप साल्ट।

**गुजरात टाइटंस:** शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार।

# जिम्बाब्वे ने पांचवें टी20 में बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया

## मेजबान टीम 4-1 से सीरीज जीती

**ढाका ।**

जिम्बाब्वे ने पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मेजबान बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर उसकी क्लीन स्वीप की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस मैच में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा और ब्रायन बेनेट की ने शानदार बल्लेबाजी की। बांग्लादेश ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए महमुदुल्लाह के 54 रन और कप्तान नजमुल हसन शंटो के 36 रनों की सहायता से 6 विकेट पर 157 रन बनाए। इसके बाद जिम्बाब्वे की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.3 ओवर में ही केवल 2 विकेट पर 158 रन बना दिये। बांग्लादेश ने इस तरह से यह सीरीज 4-1 से जीती है। जिम्बाब्वे की ओर से रजा और बेनेट ने अर्धशतक लगाये। बेनेट ने इससे पहले गेंदबाजी करते हुए 20 रन देकर दो विकेट भी लिए थे।

रजा ने 46 गेंद पर नाबाद 72 रन बनाए जिसमें 6 चौके और चार छक्के शामिल हैं। वहीं बेनेट ने 49 गेंद पर पांच चौकों और इतने ही छक्कों की सहायता से 70 रन बनाए। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी की जिससे जिम्बाब्वे नौ गेंद पहले ही जीत गया। वहीं इससे पहले बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे। इसके बाद महमुदुल्लाह और शंटो ने अच्छी साझेदारी कर उसे संभाला

## टी20 क्रिकेट सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ी बने नरेन

**कोलकाता ।**

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के आक्रामक ऑलराउंडर सुनील नरेन मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में पहली ही गेंद पर बोल्ड हो गये। इसी के साथ ही एक अनचाहा रिकार्ड भी नरेन के नाम पर जुड़ गया। नरेन टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक 44वीं बार खाता खोल बिना ही आउट हुए हैं। इस प्रकार टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक बार शून्य पर आउट होने का शर्मनाक रिकॉर्ड अब नरेन के नाम जुड़ गया है। इससे पहले ये रिकार्ड इंग्लैंड के पूर्व ओपनर एलेक्स हेल्स के नाम था। हेल्स टी20 क्रिकेट में कुल 43 बार शून्य पर आउट हुए थे। नरेन को बुमराह ने केकेआर की पारी के दूसरे ओवर की पहली गेंद पर ही पेवेलियन भेज दिया। आईपीएल में अब नरेन 16वीं बार शून्य पर आउट हुए हैं। इसी के साथ ही वह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले पीयूष चावला के साथ ज्वाइंट रूप से दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में दिनेश कार्तिक, ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा संयुक्त रुप से पहले नंबर पर हैं। नरेन टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज हैं। इस लिस्ट में सुनील नरेन और एलेक्स हेल्स के बाद तीसरे नंबर पर अफगानिस्तान के राशिद खान हैं जो 42 बार खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग 32 और ग्लेन मैक्सवेल व जेसन रॉय 31 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

# अब रणजी ट्रॉफी का आयोजन दो सत्र में करेगा बीसीसीआई !

## सीके नायडू ट्रॉफी का आयोजन एक नई अंक प्रणाली से

**मुंबई ।**

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी का आयोजन दो भागों में करने पर विचार कर रहा है। इसका आयोजन 2024-25 सत्र में सफेद गेंद वाले टी20 टूर्नामेंटों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी से पहले और फिर इन टूर्नामेंट के बाद किया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 सत्र के लिए घरेलू क्रिकेट कैलेंडर के पुनर्गठन का एक प्रस्ताव बोर्ड की शीर्ष परिषद को भी भेज दिया गया है। यह प्रस्ताव बीसीसीआई सचिव जय शाह, भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के परामर्श के बाद बनाया गया है। इसमें एक अन्य प्रस्ताव सीके नायडू ट्रॉफी के लिए टॉस को समाप्त करने का भी है। अब इसका जिसका आयोजन एक नई अंक प्रणाली के साथ होगा। रणजी ट्रॉफी के नए प्रस्तावित प्रारूप में लीग चरण के आयोजन के बाद सफेद गेंद के टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी होगी। वहीं शेष दो रणजी लीग मैच और नॉकआउट चरण के मुकाबले सीमित ओवरों के टूर्नामेंट के बाद रखे जाएंगे। ये इसलिए किया गया है क्योंकि सर्दियों के महीनों में देश के उत्तरी हिस्से में मौसम खराब रहता है जिससे भी खिलाड़ियों को परेशानी आती है। बोर्ड का लक्ष्य चुनौतियों से निपटने के साथ-साथ मैचों के बीच अंतराल रखन भी है। बीसीसीआई का मानना है कि पिछले सत्र की रणजी ट्रॉफी के दौरान दो मैचों के बीच केवल तीन दिन का अंतराल था। इन तीन दिनो में काफी समय यात्राओं में चला गया। ऐसे में खिलाड़ियों को आराम करने और तरोताजा होने का भी समय नहीं मिला।

शाह ने कहा कि खिलाड़ियों को तरोताजा होने के लिए पर्याप्त समय देने और पूरे सत्र में शीर्ष प्रदर्शन बनाए रखने के लिए मैचों के बीच अंतर रखा जाएगा। घरेलू सत्र दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा, जिसमें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं द्वारा चुनी जाने वाली 4 टीमें शामिल होंगी। ईरानी कप दिलीप ट्रॉफी के बाद होगा जिसके बाद रणजी ट्रॉफी के पहले चरण को आयोजित किया जाएगा। सीके नायडू ट्रॉफी में सिक्के से टॉस की प्रणाली को खत्म किया जाएगा और मेहमान टीम के पास पहले बल्लेबाजी या गेंदबाजी का विकल्प चुनने का अवसर रहेगा। । इसके अलावा सीके नायडू ट्रॉफी में संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई अंक प्रणाली लागू की जाएगी।

## संक्षिप्त समाचार

### ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंटः रहस्य, अराध्य, गर्व मुख्य दौर में पहुंचे -

**इन्दौर ।** ऑल इण्डिया टेनिस संघ के तत्वाधान में मध्य प्रदेश टेनिस संघ के द्वारा इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित की जा रही प्योराशोर इण्डिया प्रा. लि. ऑल इण्डिया टेलेन्ट सीरीज सब जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में खेले गए फाइनल क्वालिफाइंग राउण्ड के मैच में मध्य प्रदेश के रहस्य बाहरी, अराध्य मिश्रा, गर्व मालपानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य दौर में प्रवेश कर लिया है। रविवार को अंडर-14 बालक एकल फायनल क्वालिफाइंग राउण्ड में रहस्य बाहरी (म.प्र.) ने अरनव सक्सेना (म.प्र.) को 6-0, 6-2 से, अराध्य मिश्रा (म.प्र.) ने गौरांग गंगराडे (म.प्र.) को 6-1, 6-2 से, गर्व मालपानी (म.प्र.) ने आर्या सालुंखे (महा.) को 6-4, 6-3 से, अदविक गुरू (म.प्र.) ने अलमीर अली बारसी (म.प्र.) को 6-1, 6-3 से, अहान गनात्रा (म.प्र.) ने निकुंज साहू (म.प्र.) को 6-4, 6-4 से, अदविक जैन (म.प्र.) ने श्लोक भालेकर (महा.) को 6-0, 6-0 से, स्वानन्द शैटे (महा.) ने सहस्त्रार्जुन राणा (म.प्र) को 6-4, 6-2 से तथा सारंग पचांक्षरी (गुज.) ने आर्सो फ काजी (महा.) को 2-6, 6-1, 6-0 से शर्ो कस्त दी।

### अमन सहरावत को पेरिस ओलंपिक लिए टिकट मिला दीपक पूनिया बाहर हुए

**इस्तांबुल ।** भारत के अमन सहरावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया है। अमन ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में ये कोटा हासिल कर लिया। वहीं भारत के ही दिग्गज पहलवान दीपक पूनिया विश्व क्वालीफायर के पहले ही दौर में मिली हार के कारण बाहर हो गए हैं। अंडर-23 विश्व चैम्पियन और सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप विजेता अमन ने 57 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। अम पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाले पहले भारतीय पहलवान हैं। अमन ने अपने तीनों मुकाबलों में दोहरे अंक हासिल कर तकनीकी आधार पर मुकाबला जीता। अमन ने यूक्रेन के एंड्री यातसेंको और जॉजी वालेनतिनोव को 10-4 से हराया। वहीं भारत के ही सुजीत कलकल ने 65 किग्रा में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जलोलोव को 3-2 से हराया और इसके बाद कोरिया के जुनसिक युन को तकनीकी श्रेष्ठता से पराजित किया। सुजीत ने क्वार्टरफाइनल में कनाडा के लाचलान मौरिस को 10-0 से हराकरसेमीफाइनल में जगह बनायी पर वह मंगोलिया के तुल्गा तुमुर ओचिर से 1-6 से हारने के कारण ओलंपिक टिकट हासिल नहीं कर पाये। वहीं पूनिया 86 किग्रा वर्ग के पहले मुकाबले में चीन के जुशेन लिन पर मिली बढ़त के बाद भी 4-6 से हार गए। पूनिया पहले दौर में 3-0 से बढ़त बनाये रखी थी पर इसके बाद चीनी पहलवान ने वापसी करते हुए स्कोर 4-3 कर दिया और अंत में मुकाबला जीत लिया। . वहीं भारत के ही जयदीप अहलावत ने 74 किग्रा में मोल्दोवा के वासिल डायकॉन को 5-3 से हराया और प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रिया के साइमन मार्चल के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की पर क्वार्टरफाइनल में स्लोवाकिया के तैमुराज साल्काजानोव से 0-3 से हार गये।

# बुमराह अब सबसे ज्यादा विकेट लेने गेंदबाजों की सूची में 9वें स्थान पर पहुंचे

## मलिंगा की बराबरी पर आये

**कोलकाता ।**

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। बुमराह ने बारिश से प्रभावित इस मैच में पहली ही गेंद पर कोलकाता के सलामी बल्लेबाज सुनील नरेन को आउट कर दिया। इसी के साथ बुमराह एक आईपीएल सत्र में 20 या उससे अधिक विकेट लेने के मामले में श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ी लसिथ मलिंगा की भी बराबरी पर आ गये हैं। साल 2013 में डैब्यू करने वाले बुमराह ने केवल 11 साल में 4 बार एक सत्र में 20 या इससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस सूची में भारत के ही स्पिनर यजुवेन्द्र चहल पहले नंबर पर हैं जिन्होंने पांच बार यह रिकार्ड अपने नाम किया था।

बुमराह अब सबसे ज्यादा विकेट लेने गेंदबाजों की सूची में 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके नाम अब 133 मैचों में 165 विकेट हैं। इस सूची में अभी भी चहल पहले नंबर पर हैं उनके नाम 156 मैचों में 201 विकेट हैं। इसके बाद पीयूष चावला के नाम 191 मैचों में 189 विकेट हैं। वहीं तीसरे स्थान पर 183 विकेट के साथ डीजे ब्रावो, चौथे पर 181 विकेट के साथ भुवनेश्वर कुमार तो पांचवें नंबर पर 177 विकेट के साथ नरेन हैं।

इस मैच में बुमराह की गेंद को नरेन समझ ही नहीं पाए। बुमराह ने मैच में दो विकेट लेने के साथ ही पर्पल कैप पर भी कब्जा कर लिया। पर्पल कैप की दौड़ में दूसरे नंबर पर हर्षल पटेल हैं। पंजाब किंग्स के हर्षल ने भी 20 विकेट लिए हैं।

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के वरुण वक्रवर्ती के नाम 17 विकेट हैं। जबकि पंजाब किंग्स के अर्शदीप सिंह के नाम 16 विकेट हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सुनील नरेन के नाम 15 विकेट हैं।

## केकेआर के ड्रेसिंग रूम में दिखे रोहित

**मुंबई ।** आईपीएल के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल सकते हैं। इसके संकेत केकेआर के सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो से मिले हैं। इसमें रोहित और केकेआर के कोचिंग स्टाफ के सीनियर मेंबर अभिषेक नायर के बीच बातचीत हो रही है हालांकि इसको कुछ समय बाद ही डिलीट कर दिया गया। इसके कुछ समय बाद ही रोहित ईडन गार्डंस में केकेआर के ड्रेसिंग रूम में बैठे दिखाई दिये। जिसके बाद सोशल मीडिया में अटकलों का बाजार गर्म हो गया। कोलकाता और मुंबई के बीच मैच बारिश के कारण देर से शुरू हुआ। कोलकाता में लगातार बारिश के बीच ही प्रशंसक मैच शुरू होने का का इंतजार कर रहे थे, तभी रोहित को केकेआर के ड्रेसिंग रूम में देखा गया। इस दौरान वह कुछ खिलाड़ियों और सहायोगी स्टाफ के साथ बातचीत करते दिखे। इस तस्वीर में सहायक कोच अभिषेक नायर और गेंदबाजी कोच भरत अरुण के अलावा केएस भरत और मनीष पांडे जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और केकेआर के बॉलिंग कोच रहे वसीम अकरम चाहते हैं कि रोहित शर्मा अगले साल कोलकाता फ्रेंचाइजी में शामिल हों क्योंकि आईपीएल 2025 सीजन से पहले एक मेगा नीलामी होनी है। वसीम अकरम ने कहा था कि, मुझे लगता है वह अगले सीजन मुंबई इंडियंस में नहीं रहेंगे। मैं उन्हें केकेआर में देखना चाहूंगा। उनके रहने से केकेआर की बल्लेबाजी बेहतर होगी।

## कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाने लैवेंडर रंग की जर्सी में नजर आयेगी गुजरात टाइटंस

अहमदाबाद । आईपीएल में सोमवार को यहां गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइजर्स (केकेआर) के बीच होने वाले मैच में कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए गुजरात टाइटंस की टीम लैवेंडर रंग की जर्सी में नजर आयेगी। गुजरात की टीम लगातार दूसरे सत्र में इस जर्सी में खेलते हुए नजर आएंगी। गौरतलब है कि गुजरात टाइटंस की टीम हर सत्र में कैंसर बीमारी के लिए जागरूकता फैलाने के लिए इस रंग की जर्सी में नजर आती है। इस रंग की जर्सी का लक्ष्य कैंसर के खिलाफ अभ्यान में लोगों की जागरूकता को बढ़ाना है। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने कहा की हम एक खिलाड़ी होने के नाते अपने समर्थकों और समाज के लिए अपनी जिम्मेदारी के को देखते हुए ये काम कर रहे है। शुभमन ने साथ ही कहा कि अगर हम इससे जागरूकता बढ़ाने में सफल होते हैं तो ये हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

# सहवाग ने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों को लगायी फटकार

## अच्छी स्पिन गेंदों का सम्मान करें

**नई दिल्ली ।**

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुम्बई इंडियंस को मिली करार हार के बाद रोहित शर्मा सहित उसके बल्लेबाजों को कड़ी फटकार लगायी है। केकेआर के खिलाफ मैच में मुम्बई के बल्लेबाज स्पिनरों का सामना नहीं कर पाये और एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। सहवाग ने इसी को लेकर मुम्बई के बल्लेबाजों से कहा कि अच्छी स्पिन गेंदों का सम्मान करना उन्हें सीखना होगा। जिससे वह कमजोर गेंदों पर रन बना सकें। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को बल्लेबाजी के लिए आने से पहले ही किसी भी प्रकार के अहंकार को पीछे छोड़ देना चाहिए।

सहवाग ने कहा कि जिस प्रकार रोहित ने अपना विकेट खोया उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सहवाग ने कहा कि अगर एक बल्लेबाज गेंदबाज का सम्मान नहीं कर सकता तो उसे अच्छी गेंद का सम्मान करना चाहिए। सहवाग ने इसी प्रकार सूर्यकुमार यादव पर भी निशाना साध। सहवाग ने कहा कि अगर रोहित और सूर्यकुमार अच्छी गेंदों को रोकने में सफल रहे होते, तो वे जम सकते थे और मुंबई इंडियंस के लिए मुकाबला जीत सकते थे। सहवाग ने कहा, जो कोई भी अच्छी गेंदबाजी करता है, बस उसे खेलो। अगर दो विकेट नहीं गिरे होते तो रोहित और सूर्यकुमार एक ओवर पहले ही मैच खत्म कर सकते थे। वैभव अरोड़ा, मिशेल स्टार्क, आंद्रे रसेल और हर्षित राणा को वैसे भी गेंदबाजी करनी थी। अगर उन्होंने स्पिनरों को खेला होता और विकेट नहीं गंवाए होते तो वे मैच जीत जाते। रोहित इस मैच में 24 गेंद में 19 रन बनाकर वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर सुनील नरेन के हाथों कैच हो गये। उन्होंने कहा जिस गेंद पर रोहित शर्मा आउट हुए वह कमजोर गेंद नहीं थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि रोहित और सूर्यकुमार महान खिलाड़ी हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह अच्छी गेंदें पर भी शॉट लगायें। सहवाग ने साथ ही कहा, जब आप बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो आप अहंकार नहीं कर सकते। आप उन्हें खेलते हैं या ढीली गेंदों पर सजा देते हैं।

बेल्जियम में एफआईए चैम्पियनशिप में जीत के बाद जश्न मनाते हुए हर्टज टीम के ब्रिटिश रेसर स्टीवन व केलुवम।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूजा पाठ करने वालों को 'आध्यात्मिक' कह दिया जाता है, लेकिन अध्यात्म का मूल अर्थ ईश्वरीय चर्चा या ईश्वर ज्ञान कतई नहीं है।

# क्या है अध्यात्म

गीता के अध्याय 8 की शुरुआत अर्जुन के प्रश्नों से होती है, पूछते है 'हे पुरुषोत्ताम! वह ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? और कर्म के माने क्या है?

(अध्याय 8 श्लोक 1, लोकमान्य तिलक का अनुवाद, गीता रहस्य पृष्ठ 489)

मूल श्लोक है ' किं तद् ब्रह्मं किम् अध्यात्मं किं कर्म पुरूषोत्ताम'।

प्रश्न सीधा है। यहां ब्रह्म की जिज्ञासा है, ब्रह्म ईश्वरीय जिज्ञासा है।

अध्यात्म ईश्वर या ब्रह्म चर्चा से अलग है। इसीलिए अध्यात्मक का प्रश्न भी अलग है।

कर्म भी ईश्वरीय ज्ञान से अलग एक विषय है। इसलिए कर्म विषयक प्रश्न भी अलग से पूछा गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं

'अक्षरं ब्रह्म परमं, स्वभावों अध्यात्म उच्यते '

परम अक्षर अर्थात् कभी भी नष्ट न होने वाला तत्व ब्रह्म है और प्रत्येक वस्तु का अपना मूलभाव (स्वभाव) अध्यात्म है।

**'परम अक्षर (अविनाशी) तत्व ही ब्रह्म है। स्वभाव अध्यात्म कहा जाता है।' (गीता नवनीत, पृष्ठ 175)**

## पारलौकिक विश्लेषण या दर्शन नहीं

अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है ' 'स्वयं का अध्ययन-अध्ययन-आत्म।

विद्वतजनों ने अध्यात्म की सुसंगत व्याख्या की है, 'इसका तात्पर्य यह है कि जो अपना भाव अर्थात् प्रत्येक जीव की एक-एक शरीर में पृथक पृथक सत्ता है, वही अध्यात्म है।

समस्त सृष्टिगत भावों की व्याख्या जब मनुष्य शरीर के द्वारा (शारीरिक संदर्भ लेकर) की जाती है तो उसे ही अध्यात्म व्याख्या कहते हैं।

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं

'स्वभावो अध्यात्म उच्यते'

स्वभाव को अध्यात्म कहा जाता है।

## बड़ा प्यारा है 'स्व'

स्व शब्द से कई शब्द बने हैं। 'स्वयं' शब्द इसी का विस्तार है। स्वार्थ भी इसी का हितैषी है। स्वानुभूति अनुभव विषयक 'स्व' है। सभी प्राणी मरणशील हैं, जब तक जीवित हैं, तब तक स्व हैं, तभी तक सुख हैं, संसार है, जिज्ञासाएं हैं, प्रश्न हैं। विज्ञान और दर्शन के अध्ययन है। प्रत्येक 'स्व' एक अलग इकाई है।

स्व की अपनी काया देह है, अपना मन है, बुध्दि है, विवेक है, दृष्टि है विचार हैं। इन सबसे मिलकर भीतर एक नया जगत् बनता है। इस भीतरी जगत् की अपनी निजी अनुभूति है, प्रीति और रीति भी है।

अपने प्रियजन हैं, अपने इष्ट हैं। इन सबसे मिलकर बनता है 'एक भाव' इसे 'स्वभाव' कहते हैं।

स्वभाव नितांत निजी वैयक्तिक अनुभूति होता है लेकिन स्वभाव की निर्मिति में मां, पिता, मित्र परिजन और सम्पूर्ण समाज का प्रभाव पड़ता है। स्वभाव निजी सत्ता और प्रभाव बाहरी। जब स्वभाव प्रभाव को स्वीकार करता है, प्रभाव घुल जाता है, स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। इसका उल्टा भी होता है, लेकिन बहुत कम होता है।

## निजता को बचाने की इच्छा होती है स्वभाव में

निजता की रक्षा के प्रति अतिरिक्त सुरक्षा भाव भी होता है। निजता की रक्षा, निजता के प्रति विशेष संरक्षण सतर्क भाव ही 'स्वाभिमान' कहलाता है।

स्वाभिमान, स्वभाव, स्वार्थ और स्वयं की विशिष्टता के कारण ही स्वभाव पर प्रभाव की जीत नहीं होती। बेशक स्वभाव पर दबाव के कारण प्रभाव पड़ते है, स्वभाव तो भी बना रहता है।

'स्वभाव' अजर और अमर नहीं

स्वभाव वह एक इकाई है, एक दैहिक सत्ता (शरीर) है। विकास के क्रम में स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान का भी विकास होता है। कोरे निजी हित के स्वभाव वाले 'स्वार्थी' भी परिवार हित में निज स्वार्थ छोड़ते हैं।

## 'स्व' का भौगोलिक क्षेत्र

पहली परिधि और सीमा यह शरीर है। इसका स्वभाव, स्वार्थ और स्वाभिमान होता है। इसी का विस्तार ग्राम, राष्ट्र, विश्व के मनुष्य हैं। फिर सभी कीट पतंगो और वनस्पतियों को भी शामिल किया जा सकता है।

यहां स्व का भौगोलिक क्षेत्र बढ़ा है। फिर सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु और आकाश सहित समूचे ब्रह्माण्ड तक विस्तार होता है।

तुलसीदास ने 'परहित' को धर्म कहा- परहित सरिस धर्म नहि भाई।

यहां परहित स्वहित से बड़ा है। इसी तरह परहित से राष्ट्रहित, राष्ट्र हित से विश्वहित बड़ा है। लेकिन स्वार्थ तो भी है। स्व की सीमांए विश्व तक व्याप्त हो गई है, लेकिन अंतिम समूची मंजिल में ब्रह्माण्ड भी शामिल होता है। यहां स्व की सीमांए टूट जाती हैं।

यही स्व चरम पर पहुंचा और परम हो गया। इसी स्वार्थ का नाम अब परमार्थ होगा। स्वभाव भी अब परमभाव कहलाएगा।

कोरी ईश्वरीय चर्चा नहीं है अध्यात्म

अध्यात्म 'स्वभाव' को जानने की कैमिस्ट्री है। यह मानव मन की परतों का अजब गजब रासायनिक विश्लेषण है।

वृहदारण्यक उपनिषद् (2.3.4) में कहते हैं 'अध्यात्म का वर्णन किया जाता है 'अथ अध्यात्म मिदमेव'।

अर्थात् जो प्राण से और शरीर के भीतर आकाश से भिन्न है, यह मूर्त के, मर्त्य के इस सत् के सार हैं।

यहां अध्यात्म का विषय प्राण और आकाश को छोड़कर बाकी देह है।

शंकराचार्य के भाष्य के अनुसार 'आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: '

आध्यात्मिक शरीराम्भकस्य कार्यस्यैष रस: सार: ' अर्थात् आध्यात्मिक।

# कहीं आपका पैसा न बहा ले जाए

## घर के नल का टपकता पानी

इस युग में जहां हर कोई अपने घर का निर्माण और साज- सज्जा आधुनिक तौर पर करता है, वहीं इस बात का भी ध्यान रखता है कि किस चीज को कहां व्यवस्थित करनी है और किस वस्तु को कैसे उपयोग करना है। आइए जानते हैं कि किन -किन वस्तुओं का कैसे रखना है-

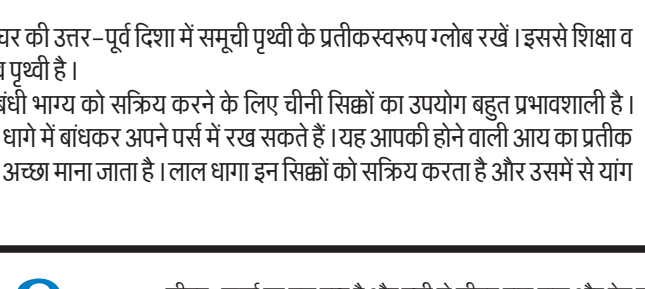

**टपकते नल को ठीक कराएं-** फेंगशुई में जल को संपत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरंत मरम्मत कराएं, क्योंकि ऐसा लगातार होना आपको आर्थिक क्षति पहुंचा सकता है।

**घर में उत्तर दिशा को फूलों से सजाएं** - आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से संबंधित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

**लाल रंग के बॉर्डर में फोटो मढ़वाएं-** दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है प्रसिद्धि। लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बॉर्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिण क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

**उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें-** अपने घर की उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

**चीनी सिक्कों का करें उपयोग-** धन संबंधी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का उपयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

# इच्छा और शक्ति

जीवन-ऊर्जा का मूल तत्व है और इसी से जीवन द्वारा ज्ञान और प्रेम की सर्वोच्चता स्वीकार नहीं करने का औचित्य व्यक्त होता है। प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है। किसी अस्वीकार्य वस्तु अथवा स्वभावत: भ्रष्ट करने वाली और बुराई की ओर ले जाने वाली चीज के रूप में शक्ति की निन्दा करना संस्कारबद्ध या धार्मिक मन की गलती है। भले ही बहुत से उदाहरण देकर इस मान्यता का औचित्य स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक अंधविश्वास और अविवेकपूर्ण मान्यता ही है। शक्ति का भ्रष्ट तरीके से इस्तेमाल और दुरुपयोग भले ही किया जाता हो, जैसा कि प्रेम और ज्ञान का भी किया जाता है, लेकिन वह दिव्य है और यहां उसे दिव्य उपयोग के लिए ही प्रदान किया गया है। शक्ति, इच्छा-शक्ति संसार को गतिशील रखने वाला दिव्य तत्व है और चाहे वह ज्ञान-शक्ति हो या प्रेम-शक्ति, जीवन-शक्ति हो या कर्म-शक्ति अथवा शारीरिक-शक्ति, अपने उद्गम में यह हमेशा आध्यात्मिक है और इसका चरित्र दिव्य है। अज्ञान में उसका उपयोग करने की बजाय अंत :प्रेरणा, जो कि अनंत और शाश्वत सत्ता की लय में कार्य करती है, के मार्गदर्शन में उसका उच्चतर सहज कर्म अथवा विशिष्ट कर्म के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

**महर्षि अरविन्द के सत्य विचार हमें सतही बौद्धिकता से परे चेतना के दिव्य आध्यात्मिक लोक में ले जाते हैं। उनके विचार उपनिषद के सूत्रों की तरह सघन अर्थों से भरे होते हैं। प्रत्यक्ष और गहन अनुभूति से उत्पन्न होने के कारण उनके कथन अमूल्य रहे हैं।**
**आइए जानते हैं ऑरोविला के नायक इस महान दार्शनिक के सुविचार ...**

# दुनिया को चाहिए सच्चा मनुष्य

प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।

श्री अरविन्द

- उच्च स्तर की अनुभूति हासिल करने के लिए मन के पार चेतना का उत्कर्ष होना आवश्यक है। इस उत्कर्ष के साथ अथवा इसके परिणामस्वरूप स्वयंभू सत्य का गतिशील अवतरण होना भी जरूरी है, जो कि मन से ऊपर सदा ही स्वयमेव प्रकाशित, शाश्वत रूप से, जीवन एवं पदार्थ की अभिव्यक्ति से पूर्व की स्थिति में विद्यमान रहता है।
- मन केवल खंडों में प्राप्त सत्य के अंशों को एक साथ जोड़कर उसे एक इकाई के रूप में सामने ला सकता है। मन का सत्य केवल अर्ध-सत्य अथवा किसी पहेली का एक अंश भर है। मानसिक ज्ञान हमेशा ही तुलनात्मक, आंशिक एवं अपूर्ण होता है और उससे प्रेरित कर्म और सृजन तो उससे भी अधिक दुविधापूर्ण और सीमित दायरे में आबद्ध रहता है और वह अपूर्ण अंशों के जोड़ से निर्मित होता है। जब हम इस सीमा को पार कर अधिक व्यापक प्रकाशमान चेतना एवं आत्म-ज्ञान के जगत में प्रवेश करते हैं, जहां दिव्य सत्य हमेशा ही स्थित रहता है, तब ही हमें अपने परम अस्तित्व और उसकी शक्तियों एवं कार्यों के अविनाशी एकीकृत सत्य के रहस्य का पता चल पाता है।
- अंत : प्रज्ञा की शक्ति अविकसित अवस्था में अधिकांशत : अस्पष्ट एवं आसक्त रूप से कार्य करती है अथवा तर्क एवं सामान्य बुद्धि के कार्य से प्राय : आच्छादित रहती है। जब तक यह स्पष्ट और स्वतंत्र रूप से कार्य करने नहीं लगती है, तब तक यह अनियमित, आंशिक, खंडित और आकस्मिक रूप से ही कार्य करती है। यह द्रुत प्रकाश की तरह अचानक कौंध कर कोई सुस्पष्ट सुझाव दे जाती है अथवा अत्यंत उपयोगी संकेत कर जाती है अथवा उससे संबंधित सहज बोध, द्युतिमान विवेक, अंत :प्रेरणा अथवा इलहाम को जगा जाती है और तर्क, इच्छा, मानसिक बोध या बुद्धि को हमारे अस्तित्व की गहराइयों या ऊंचाइयों से आए इस मदद के बीज का समुचित उपयोग करने के लिए छोड़ देती है।
- मन की उच्चतर स्थिति तब तक संपूर्ण अथवा निर्विकार नहीं हो सकती, जब तक कि क्षुद्र बुद्धि का विसर्जन नहीं हो जाता अथवा यह अपने ही अंतर्विकारों से मुक्त नहीं हो जाता। हमें बुद्धि और बौद्धिक कामना तथा अन्य क्षुद्र-क्रिया व्यापारों को पूरी तरह से नि :स्वर कर देना पड़ेगा और केवल अंत :प्रज्ञा से प्रेरित कर्म को ही सक्रिय होने का अवसर देना होगा अथवा अपने निकृष्ट कर्मों पर नियंत्रण रखते हुए उन्हें अंत :प्रज्ञा की सतत निगरानी में रूपांतरित करना होगा।
- वह शक्ति हासिल करने की कामना नहीं करनी चाहिए, जो तुम्हें अपने अधीन रखे, जो सब कुछ अपने मन के प्रयास से करने के बजाय किसी बाहरी शक्ति के द्वारा करवाने की क्षमता पर तुमको निर्भर बनाए।
- प्रज्ञावान मानस पहले की तुलना में केवल अधिक शक्तिशाली और अधिक दैदीप्यमान ही नहीं होगा, बल्कि वह उसी व्यक्ति के सामान्य मन के विकास से पूर्व की क्षमता से बहुत अधिक व्यापक संचालन शक्तियों से संपन्न भी होगा। इसलिए विकासशील अथवा विकसित सहज मन को बाह्य कुप्रभावों एवं अंतर्विकारों से हो सकने वाली किसी क्षति से बचाने के लिए सतत् सजग रहना होगा और मन को धीरे-धीरे संपूर्णत : अंत :प्रज्ञा से ओतप्रोत कर लेना होगा।
- प्रेम और ज्ञान दिव्य चेतना के एकमात्र आयाम नहीं हैं, बल्कि शक्ति भी उसका एक आयाम है। जिस तरह से मन ज्ञान के प्रति जिज्ञासा करता है, जिस प्रकार हृदय में प्रेम की अनुभूति होती है, उसी प्रकार जीवन-ऊर्जा भी, चाहे वह जितनी क्षीण या मंद हो, शक्ति की खोज और उसके द्वारा प्रदत्त नियंत्रण क्षमता हासिल करने के लिए अभिमुख होती है।
- हमारा व्यक्तिगत मानस वास्तविक आत्मा नहीं है। व्यक्तिगत मानस तो केवल एक रूप, एक आकृति भर है। जबकि हमारी वास्तविक आत्मा विराट, अनंत, सर्वव्यापी और सर्वाधार है। हमारे मन, जीवन एवं शरीर के मूल में जो आत्मा है, वही आत्मा सभी जीवों के मन, जीवन एवं शरीर के मूल में भी है। जब कभी हम उसके साथ एकरूप होते हैं तो उसके बाद पुन : जब हम उन जीवों की ओर देखते हैं तो चेतना के धरातल पर सभी एकाकार नजर आते हैं। यह सच है कि मन इस तरह की एकरूपता में बाधा डालता है। लेकिन सत्य को सीमित और खण्डित रूप में देखने की मन की प्रवृत्ति के बावजूद उसको एकात्मकारी सत्य की लय में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसलिए हमें ध्यान और एकाग्रता के द्वारा वस्तुओं एवं जीवों को भिन्न-भिन्न समझने की प्रवृत्ति को रोकने तथा सर्वत्र सभी चीजों की एकात्मकता के बोध का अभ्यास करना चाहिए।
- मानव का हृदय और मानस जीवन-उद्दीपनों के तंतुओं से गुंथी भावनाओं एवं आत्मा की तरंगों के मिले-जुले रंगों से बनी एक अनोखी चीज है, जिसमें अच्छी-बुरी, सुखद-दुखद, संतोषजनक असंतोषजनक कोलाहल, शांति, उद्वेलन-उदासीनता सभी समाए रहते हैं। जब तक यह बाह्य प्रभावों के कारण विक्षुब्ध और तरंगायित होता रहता है, तब तक वास्तविक शांति और शक्तियों की पूर्णता से यह अपरिचित रहता है। पवित्रता के द्वारा, समत्व के द्वारा, ज्ञान के प्रकाश के द्वारा और कामनाओं की समरसता के द्वारा उसे घनीभूत शांति एवं परिपूर्णता की स्थिति में लाया जा सकता है। इस परिपूर्णता के दो आयाम होते हैं। एक तरफ यह मधुर, मुक्त, मृदु, शांत और स्पष्ट होता है तो दूसरी तरफ उसमें दृढ़ता, प्रबलता और तीव्रता जैसे गुण भी होते हैं। दिव्यावस्था में सामान्य मानव के चरित्र और कर्म में भी हमेशा ये दो आयाम उभर कर सामने आ जाते हैं — मधुरता और दृढ़ता, मृदुता और शक्ति, सौम्य और रौद्र, सहनशीलता और समरसता, चेतना और प्रेरणा।
- हम जो हैं और हो सकते हैं, वह हमारे उस तरह के विश्वास और वैसा होने की इच्छा के कारण है, क्योंकि विश्वास महानतर सत्य की ओर अग्रसर एक इच्छामात्र है और वह हमारी संभावनाओं की कोई सीमा नहीं बांधता अथवा हमारी आत्मा के सर्वशक्तिमान होने की संभावना, जो मानव शरीर में क्रियाशील दिव्य शक्ति है, से इन्कार नहीं करता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## जब इंडस्ट्री के लोग ही..., अपना मजाक उड़ता देख दुखी हैं करण जौहर

फिल्ममेकर करण जौहर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। करण सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। अपनी बात रखने के लिए वह सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं। हाल ही में उन्होंने एक टीवी शो के एक कॉमेडियन को खराब कहा है। उन्होंने कहा कि वह कॉमेडियन को उनकी नकल करते देख परेशान थे। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट साझा करते हुए इस मिमिक्री को खराब कहा है। उन्होंने कहा कि ट्रोलर्स से उन्हें इस तरह की उम्मीद थी, लेकिन इंडस्ट्री के लोगों से उन्हें ये उम्मीद नहीं थी। करण जौहर ने अपने पोस्ट में बिना किसी शो या कॉमेडियन का नाम लिए निशाना साधा है। करण के इस पोस्ट को देखकर कई यूजर्स हैरान हैं। वहीं, कई सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि वह केतन सिंह के बारे में बात कर रहे हैं। केतन ने सोनी टीवी के शो मैडनेस मचाएंगे- इंडिया को हंसाएंगे में उनकी मिमिक्री की थी। करण ने अपने नोट में लिखा, मैं अपनी मां के साथ बैठकर टेलीविजन देख रहा था और मैंने एक प्रतिष्ठित चैनल पर एक रियलिटी कॉमेडी शो का प्रोमो देखा। एक कॉमिक बेहद खराब तरीके से मेरी नकल कर रहा था। मैं ट्रोल्स और अंजान लोगों से यही उम्मीद करता हूं, लेकिन जब आपकी अपनी इंडस्ट्री किसी ऐसे व्यक्ति का अनादर कर सकती है, जो 25 वर्षों से अधिक समय से बिजनेस कर रहा है। यह इस समय के बारे में बहुत कुछ बताता है, जिसमें हम रह रहे हैं। इससे मुझे गुस्सा भी नहीं आता, बस दुख होता है। उनका ये नोट हाल ही में सोनी टीवी औ उसके इंस्टाग्राम पर साझा किए गए हालिया प्रोमो को लेकर है। शो के प्रोमो में केतन ने करण की मिमिक्री की है। वह उनके शो कॉफी विद करण को आड़े हाथ लेते दिखाई दिए हैं। कॉमेडी शो में केतन करण के शो को टॉफी विद चूरन कहते हुए मजाक बनाया है। केतन शो में करण पर कई स्टार किड्स को लॉन्च करने को लेकर निशाना साधा है। इसके साथ ही करण जौहर की डांस करने की आदत का भी मजाक उड़ाया है। इस शो को बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरेशी जज कर रही हैं।

## गिल्ट 3 में नजर आएंगी सारा खान

टीवी शो सपना बाबुल का...बिदाई से घर-घर में अपनी खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री सारा खान जल्द ही फिल्म गिल्ट 3 में नजर आने वाली हैं। हाल ही में एक बातचीत में उन्होंने इस फिल्म को लेकर खुलकर बात की। इस साक्षात्कार में अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही, उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर भी अपडेट दिया।

### किरदार निभाना रहा चुनौतीपूर्ण

फिल्म पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि यह पिता-पुत्री और सौतेली मां की कहानी है, जो खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं, लेकिन इसी दौरान उनके जीवन में हैरान कर देने वाला मोड़ आता है और सब कुछ बदल जाता है। अपने किरदार पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी उम्र से 10 साल छोटी लड़की का किरदार निभाना उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बताया कि इस रोल को निभाने में उन्हें काफी ज्यादा मजा आया।

### परिवार के साथ वक्त बिताना है पसंद

उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर बात करते हुए बताया कि उन्हें पार्टी में जाने से ज्यादा अपने परिवार के साथ वक्त बिताना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि उनके कुछ दोस्त हैं जिनके साथ उन्हें बाहर जाने में अच्छा लगता है। इस बातचीत में उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर भी बात की।

### जल्द आएगी एक और फिल्म

उन्होंने बताया कि उनका प्रोडक्शन हाउस एक कॉन्सेप्ट पर काम कर रहा है, जिस पर फिल्म आने वाली है। उन्होंने आगे बताया कि उनके प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले तीन गाने भी जल्द ही लोगों को सुनने को मिलेंगे।

## शेखर सुमन ने आमिर खान से की अपनी तुलना, बोले- सिर्फ दिखने के लिए काम नहीं करता

शेखर सुमन मनोरंजन की दुनिया में काफी पुराना नाम हैं। उन्होंने लगातार कई वर्षों से लोगों का मनोरंजन किया है। इस दौरान वह एक मशहूर टीवी स्टार, जज, गायक और बॉलीवुड अभिनेता के तौर पर दिखे। फिलहाल वह निर्देशक संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आ रहे हैं। वह लंबे समय बाद स्क्रीन पर नजर आए हैं। शेखर के फैंस उन्हें फिर से अभिनय करते देखने को लेकर काफी उत्सुक थे। उनके फैंस इस सीरीज को उनकी वापसी करार दे रहे थे, लेकिन अभिनेता इसे वापसी के रुप में नहीं देखते। अच्छे खासे अंतराल के बाद स्क्रीन पर नजर आ रहे शेखर इसे वापसी के तौर पर नहीं देखते। अपने रुख साफ करते हुए उन्होंने कहा, मैं एक थियेटर का कलाकार हूं। आप एक अच्छे किरदार का इंतजार करते हैं। ऐसे किरदार मिलने में समय लग सकता है। इसलिए आप थोड़े अंतराल के बाद दिखते हैं, क्योंकि वो किरदार मुझे उत्साहित करना चाहिए। मैं सिर्फ दिखने के लिए काम नहीं करता कि मैं 10 ओटीटी सीरीज और पांच फिल्मों का हिस्सा हूं।

### दिलीप कुमार और आमिर खान से सीखा

स्क्रीन पर कम नजर आने को लेकर उन्होंने आमिर खान और दिलीप कुमार का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने दिलीप कुमार साहब से काफी कुछ सिखा है। वह दो-तीन सालों में एक फिल्म किया करते थे। दिलीप कुमार,आमिर खान ये लोग खुद को काफी संयमित और अच्छे-खासे अंतराल के बाद दर्शकों के सामने पेश करते हैं। इस वजह से लोगों के अंदर इन्हें पर्दे पर देखने की जिज्ञासा होती है। खुद को भेड़ चाल का हिस्सा बना लेना, किसी भी कलाकार के लिए काफी बुरा होता है। किसी फिल्म या शो के बीच में यह एहसास होना कि आपने गलती की है, यह बहुत बुरा अनुभव होता है।

### पिता-पुत्र दोनों ने किया है काम

शेखर सुमन इससे पहले बिग बॉस के 16वें सीजन में दिखे थे। फिलहाल वह ओटीटी सीरीज हीरामंडी में नजर आ रहे हैं। इसमें वह जुल्फिकार का किरदार अदा कर रहे हैं। शो में उनके साथ उनके पुत्र अध्यन सुमन भी नजर आ रहे हैं। इसमें वह जोरावर अली खान का किरदार निभा रहे हैं। इससे पहले अध्यन वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश में नजर आए थे। फिलहाल दोनों पिता-पुत्र की जोड़ी स्क्रीन पर लोगों को पसंद



## अपनी सभी फिल्मों को अपनी डेब्यू फिल्म मानती हैं सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों हीरामंडी में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। संजय लीला भंसाली की नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। सीरीज में सोनाक्षी ने विलेन की भूमिका निभाई है। अब अभिनेत्री ने अपने करियर के बारे में बात की और बताया कि वे अपने किरदार को किस तरह से चुनती हैं। सोनाक्षी ने कहा कि उन्होंने दबंग से डेब्यू किया था, जिसके बाद 14 साल वे इंडस्ट्री में बिता चुकी हैं। सोनाक्षी अपनी मेहनत के दम पर किरदार पाना चाहती हैं और टाइपकास्ट नहीं होना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वे अपनी सभी फिल्मों को डेब्यू फिल्म मानती हैं, ताकि वे सबकुछ मेहनत से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सके।

## इस वजह से जब वी मेट 2 नहीं बनाना चाहते इम्तियाज अली

इम्तियाज अली इन दिनों अपनी फिल्म चमकीला की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इम्तियाज जब वी मेट जैसी सुपरहिट फिल्म भी दे चुके हैं। करीना कपूर खान और शाहिद कपूर अभिनीत यह फिल्म रोमांस का प्रतीक है और आज भी दर्शकों से जुड़ी हुई है। हम प्रशंसक काफी समय से निर्देशक से सीक्वल के बारे में पूछ रहे हैं। अब उन्होंने इस बारे में फिर खुलकर बात की है। उन्होंने जब वी मेट के सीक्वल के बारे में बात करते हुए इम्तियाज अली ने इसके विचार को खारिज कर दिया, लेकिन यह भी कहा कि वह करीना कपूर खान के साथ फिर से काम करना पसंद करेंगे। यह बताते हुए कि ऐसा अभी तक क्यों नहीं हो सका निर्देशक ने आगे कहा कि जब भी कोई फिल्म निर्माता किसी कलाकार के साथ काम करता है तो उस पर यह जिम्मेदारी होती है कि वह केवल उस कलाकार के के लिए ही कुछ भी न करें। विचार यह है कि पुनर्मिलन केवल तभी किया जाए, जब आपने पहले जो किया है उसकी तुलना में कोई बेहतर या पूरी तरह से अलग प्रोजेक्ट हो।

## इस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहती हैं प्रीति

प्रीति जिंटा बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री हैं। 90 के दशक से लेकर अब तक वे कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने फैंस के लिए एक चैट सेशन का आयोजन किया। इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि अगर संघर्ष का सीक्वल बनी तो वे उसमें जरूर काम करना चाहेंगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रीति जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। लाहौर 1947 में वे सनी देओल के साथ दिखेंगी।

## मनोज ने 'द फैमिली मैन' के लिए बदला 'भैयाजी' का प्रमोशन प्लान

'अब निवेदन नहीं, नरसंहार होगा!' की टैगलाइन के साथ कोई महीना भर पहले रिलीज हुआ अभिनेता मनोज बाजपेयी की सौंवीं फिल्म 'भैयाजी' का टीजर अब तक 38 लाख लोगों ने देखा है। फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली है और तब तक ये शायद 50 लाख लोगों तक पहुंच भी जाए, लेकिन मनोज बाजपेयी सोमवार को इस फिल्म से ज्यादा अपनी वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर होने वाले अनाउसमेंट पर फोकस दिखे। और, इसी के चलते फिल्म के लिए होने वाले इंटरव्यू की सारी गणित भी उन्होंने सुबह सुबह बदल दी। बायोपिक के बाजीगर कहलाने वाले निर्माता विनोद भानुशाली की फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के बाद से ही मनोज बाजपेयी का सिनेमा में टैम्पो हाई है। बताते हैं कि इन दिनों वह एक फिल्म का कोई 10 करोड़ रुपये मांगते हैं। हालांकि, सच यही है कि इस फिल्म की ओटीटी पर खूब तारीफ होने के बावजूद जो दूसरी फिल्म मनोज की शुरू हुई, वह भी विनोद भानुशाली ने ही 'भैयाजी' के नाम से शुरू की। दोनों के निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की हैं, जिनके साथ मनोज एक और फिल्म की शूटिंग जल्द ही लंदन में शुरू करने वाले हैं। लेकिन, 'सिर्फ एक बंदा काफी है' से बनी मनोज की ब्रांडिंग पर अब तक न सिर्फ 'किलर सूप' फिर चुका है, बल्कि जी5 पर ही प्रसारित हुई फिल्म 'साइलेंस 2' की औसत से कमतर प्रोडक्शन वैल्यू ने भी असर डाला है। सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'जोरम' का हाल सबको पता ही है। 'भैयाजी' के बारे में बताया जाता है कि ये फिल्म ओवरबजट हो चुकी है। फिल्म के सैटेलाइट और ओटीटी राइट्स के जरिये हालांकि इसके निर्माता फिल्म की लागत फिल्म की रिलीज से पहले ही करीब करीब निकाल चुके हैं, लेकिन इस फिल्म को सिनेमाघरों में पहुंचाना अब भी सीधी खीर नहीं है।

दिलचस्प बात ये है कि 'भैयाजी' मनोज बाजपेयी की सौवीं फिल्म है लेकिन, उनकी तरफ से इसे लेकर कोई खास उत्साह नहीं दिख रहा। तीन दिन से इस फिल्म के लिए प्रमोशन प्लान बना रही कंपनी देश के तमाम अखबारों के लिए उनके इंटरव्यू का समय तय करके बैठी रही और ऐन सोमवार की सुबह मनोज ने ये सारा प्रमोशनल प्लान बदल दिया। पता चला कि प्राइम वीडियो इसी समय उनकी सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर एलान करने वाला है। ये सीरीज भी बिल्कुल बीरबल की खिचड़ी की तरह पक रही है। सोमवार को बताया गया कि इसकी शूटिंग चल रही है। कहां चल रही है, कब तक चलेगी और कब सीरीज का प्रसारण होगा? इन सारे सवालों के जवाब प्राइम वीडियो अरसे से देने से कतराता रहा है। मनोज बाजपेयी को फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और 'भैयाजी' में निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की ने निर्देशित किया है। टीवीएफ की कई कमाल की सीरीज निर्देशित कर चुके अपूर्व को बड़े परदे का सिनेमा सीखने में भी काफी वक्त लगा है। फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के सेट पर सारे रचनात्मक निर्णय लेने के लिए लेखक, निर्देशक सुपर्ण वर्मा हर समय मौजूद रहते थे। उनके कहने पर अपूर्व को फिल्म के कई सारे सीन न सिर्फ दोबारा शूट करने पड़े बल्कि अक्सर ये सीन ठीक उसी तरह उन्होंने शूट किए जैसे कि सुपर्ण ने उन्हें समझाए। अपूर्व के साथ मनोज अब अपनी लगातार तीसरी फिल्म करने जा रहे हैं। और, उसके पहले वह अपनी फिल्म 'भैयाजी' के अपने करियर की सौवीं फिल्म होने के बावजूद इसे लेकर माहौल नहीं बना पा रहे हैं। मनोज बाजपेयी के साथ काम कर चुके अब तक किसी भी दिग्गज कलाकार या निर्देशक ने उनकी इस सौवीं फिल्म की उपलब्धि पर सोशल मीडिया पर कुछ लिखा नहीं है और न ही कहीं सार्वजनिक तौर पर इस फिल्म को जश्न की तरह मनाने की सुगबुगाहट ही मनोज बाजपेयी की तरफ से दिखाई या सुनाई दे रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# फ्री बिजली के साथ ही हर साल 2 करोड़ नौकरी

## - केजरीवाल की देशवासियों को 10 गारंटी

**नई दिल्ली।**

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए लोकसभा चुनाव के लिए देशवासियों को 10 गारंटी दीं हैं। इसी बीच उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के कारण इसमें थोड़ी देरी हो गई, लेकिन अभी भी कई चरणों का चुनाव बाकी है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए सीएम केजरीवाल ने कहा कि यह केजरीवाल की गारंटी है तो मैं ये गारंटी लेता हूं कि इंडिया ब्लॉक की सरकार बनने पर इन्हें पूरा करवाउंगा। ये गारंटी भारत का विजन है। यहां उन्होंने कहा कि आजकल देश में मोदी की गारंटी की चर्चा हो रही है अब देश तय करे कि मोदी या केजरीवाल, किसकी गारंटी पर विश्वास करना है। इसके साथ ही सीएम केजरीवाल ने अभी तक पीएम मोदी द्वारा दी गई गारंटियों को गिनाया और कहा कि क्या अभी तक ये पूरी हुई हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने तो 15 लाख रुपए से लेकर हर साल 2 करोड़ रोजगार, स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करना, 2022 में किसान आय डबल करने, 2022 में 24 घंटे बिजली देने, 15 अगस्त 2022 तक साबरमती और मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन चलाने और 100 स्मार्ट सिटी की गारंटी दी, लेकिन इनमें से कोई भी गारंटी पूरी नहीं हुई। यहां सीएम केजरीवाल ने कहा कि हमने तो स्कूल से लेकर मोहल्ला क्लीनिक बनाए और अपनी गारंटी पूरी की है। एक तरफ मोदी की गारंटी और एक तरफ है केजरीवाल की गारंटी। इसी के साथ उन्होंने पूछा कि मोदी की गारंटी कौन पूरा करेगा? केजरीवाल की गारंटी तो केजरीवाल ही पूरा करके दिखाएगा।

### सीएम केजरीवाल की ये रहीं गारंटियां-

**बिजली की गारंटी:** इसके अंतर्गत देशभर में 24 घंटे और मुफ्त बिजली। जैसा दिल्ली में किया वैसा ही देश में करेंगे। कहीं कोई पावर कट नहीं। सवा लाख करोड़ के खर्च में देशभर के गरीबों को 200 यूनिट फ्री बिजली।

**शिक्षा की गारंटी:** दिल्ली-पंजाब की तरह देश के सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाएंगे। फ्री शिक्षा के लिए 5 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे।

**स्वास्थ्य की गारंटी:** सरकारी अस्पताल में प्राइवेट जैसा बेहतर इलाज होगा।

**राष्ट्र सर्वोपरि:** ने जो हमारी ज़मीन पर कब्जा किया है, यह छुपाने से समस्या हल नहीं होगी। देश की ज़मीन को चीन के कब्जे से छुड़ाया जाएगा।

**अग्निवीर योजना बंद होगी:** अग्निवीर योजना बंद कर सारी सैन्य भर्तियां पुरानी प्रक्रिया के तहत की जाएंगी।

**देश के किसान:** स्वामीनाथन आयोग के मुताबिक सभी फसलों पर एमएसपी निर्धारित कर किसानों को फसलों के पूरे दाम दिए जाएंगे।

**प्रजातंत्र :** केंद्र शासित दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाएंगे।

**बेरोजगारी :** बेरोजगारी खत्म करने के लिए डिटेल प्लानिंग है। इसे व्यवस्थागत तौर पर दूर किया जाएगा। इसके तहत अगले एक वर्ष में 2 करोड़ रोजगार की व्यवस्था होगी।

**भ्रष्टाचार:** देश को भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों से निजात दिलाएंगे। इसी के साथ भाजपा की वॉशिंग मशीन को चौराहे पर रखकर तोड़ दिया जाएगा। बेईमानों को संरक्षण देने वाली व्यवस्था को ख़त्म किया जाएगा। अंत में जीएसटी सरल किया जाएगा। केंद्र सरकार व्यापारियों को जीएसटी के नाम से डरा रही है, इसलिए जीएसटी का सरलीकरण करेंगे। व्यापार में चीन को पीछे छोड़ना हमारा उद्धेश्य है।




# गुना लोकसभा सीट पर चुनाव में सबसे ज्यादा बीजेपी ने की राशि खर्च

## -ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 71 लाख तो यादवेंद्र सिंह ने 7.90 लाख किए खर्च

**ग्वालियर।**

मप्र की हाईप्रोफाइल सीटों में शुमार गुना लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया और कांग्रेस प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह ने लोकसभा चुनाव में हुए खर्च का लेखा जोखा आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 26 अप्रैल से लेकर चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक 71 लाख 82 हजार 780 रुपए खर्च किए है। सिंधिया ने रैली, वाहन, हेलीपैड, मंच, टेंट, कूलर, पानी, टैंकर, फूलमाला समेत अन्य सामग्री का खर्च इसमें दिया है। चुनावी खर्च में वीआईपी के आने जाने के लिए बनाए गए दो हेलीपैड का भी खर्च जोड़ा गया है। बीजेपी प्रत्याशी सिंधिया के लिए अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने आमसभा की थी।

गुना शिवपुरी अशोकनगर में नुक्कड़ सभाएं भी आयोजित की गई थीं जिनका ब्यौरा ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिया है। गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र के बीजेपी प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया की और से ग्वालियर के पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने चुनाव खर्च का लेखा-जोखा पेश किया है। उसमें उन्होंने गुना नगरीय क्षेत्र में होर्डिंग लगाने पर 56000 रुपए खर्च किए हैं। पेट्रोल-डीजल पर 90 हजार, वाहन किराए के रूप में 2 लाख रुपए खर्च किए गए हैं।

वहीं कांग्रेस प्रत्याशी यादवेंद्र सिंह ने भी खर्च का लेखा जोखा पेश किया है। यादवेंद्र सिंह ने चुनाव में 7 लाख 90 हजार 813 रुपए खर्च किए हैं। यादवेंद्र सिंह का चुनावी खर्च सिंधिया की एवज में दस गुना कम हैं। यादवेन्द्र के पक्ष में किसी बड़े नेता ने चुनावी सभा नहीं की। लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने एक प्रत्याशी को 95 लाख रुपए खर्च करने की राशि तय की थी। गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। इसमें बीजेपी से ज्योतिरादित्य सिंधिया, कांग्रेस से राव यादवेन्द्र सिंह और बसपा से धनीराम मुख्य प्रत्याशी थे। इनके अलावा 12 और चुनाव लड़कर अपना भाग्य आजमा रहे थे। इसी तरह दूसरे प्रत्याशियों ने भी अपने-अपने खर्चे का हिसाब-किताब पेश कर दिया है। एक भी प्रत्याशी ने निर्धारित खर्चे की राशि के बराबर पैसा खर्च नहीं किया है।

# महंगाई, बेरोजगारी, जनता के मुद्दे पर भाजपा चुप, अनावश्यक मुद्दों पर भाजपा का जोर- शशि थरूर

**मुंबई,।**

यह लोकसभा चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं बल्कि भारत की आत्मा को सुरक्षित रखने का संघर्ष है। भाजपा के शासन में देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। खुले तौर पर देश की संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया गया है। लोकसभा की तीन चरणों का मतदान हो चुका है और सिर्फ दक्षिण भारत ही नहीं बल्कि सभी राज्यों में माहौल बदला हुआ नजर आ रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने विश्वास जताया है कि 4 जून को दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी की सरकार की विदाई तय है और इसके बाद इंडिया आघाडी की सरकार आएगी। रविवार को मुंबई के तिलक भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शशि थरूर ने आगे कहा कि देश के संविधान में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र के आधार पर बिना किसी भेदभाव के यह स्पष्ट कर दिया गया है कि सबसे पहले हम भारत के नागरिक हैं. लेकिन भारतीय जनता पार्टी ऐसा नहीं सोचती है। बीजेपी ने धर्म को नागरिकता में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं उनका प्रयोग हम बंद घर में भी नहीं कर सकते हैं लेकिन इन शब्दों का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल किया जा रहा। यह बहुत ही अपमानजनक है और देश व राजनीति के लिए उचित नहीं है। बीजेपी की राजनीति को देखते हुए सभी समान विचारधारा वाले विपक्षी दल एक साथ आकर लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई में शामिल हो गए हैं। हमें पूरा विश्वास है कि 4 जून के बाद ऐसी सरकार आएगी जो सही मायनों में सभी जाति और धर्म के लोगों का विकास करेगी और सबको साथ लेकर चलेगी। थरूर ने कहा कि चुनाव प्रचार में भारतीय जनता पार्टी बेरोजगारी, महंगाई, किसानों के मुद्दों पर बात नहीं करती है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता के ज्वलंत सवालों से बचकर महत्वहीन मुद्दों पर बात कर रहे हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिबेट करने की खुली चुनौती दी है लेकिन मोदी ने इसे अभी तक स्वीकार नहीं किया है।यूपीए सरकार के दौरान डॉ. मनमोहन सिंह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बेबाकी से अपना पक्ष रखते थे। जबकि दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ स्क्रिप्टेड साक्षात्कार दे रहे हैं।

# खड़गे के हेलीकॉप्टर की तलाशी पर भड़की कांग्रेस, कहा - विपक्ष को निशाना बना रहा निर्वाचन आयोग

**समस्तीपुर ।**

बिहार के समस्तीपुर में कथित रूप से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हेलीकॉप्टर की तलाशी से भड़की कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं को 'स्वतंत्र रूप से' घूमने की इजाजत दी जा रही है। खड़गे ने शनिवार को बिहार के समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। कांग्रेस नेता राजेश राठौड़ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश में दावा किया, 'केरल में राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली गई और अब बिहार के समस्तीपुर में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली गई है।' पार्टी की बिहार इकाई के मुख्य प्रवक्ता राठौड़ ने कहा कि बिहार की मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने खुद समस्तीपुर में खड़गे के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली। वीडियो में एक हेलीकॉप्टर के चारों ओर पुलिसकर्मी और अधिकारी दिखाई देते हैं।

राठौड़ ने अपने वीडियो संदेश में कहा, 'निर्वाचन आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या कांग्रेस नेताओं के हेलीकॉप्टरों की ऐसी जांच नियमित है और अगर नियमित है तो क्या राजग के शीर्ष नेताओं की भी इसी तरह की जांच की गई है।' उन्होंने कहा, 'निर्वाचन आयोग को ऐसी सभी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए, अन्यथा यह माना जाएगा कि चुनाव निकाय केवल विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहा है और राजग के नेताओं को खुला घूमने दे रहा है।' कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि निर्वाचन आयोग को उन सभी नेताओं के वीडियो सामने लाने चाहिए जिनकी जांच की गई है।

# बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देंगे स्पेशल पैकेज देंगे

## राजद उम्मीदवार मीसा भारती ने कहा- क्या हुआ पीएम मोदी के किए वादों का

**पटना।** लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में बिहार का सियासी पारा चढ़ा हुआ है। सभी राजनीतिक दल एक-दूसरे पर जमकर प्रहार कर रहे हैं। इस बीच लालू प्रसाद यादव की बड़ी बेटी और पाटलिपुत्र लोकसभा सीट से राजद उम्मीदवार मीसा भारती ने एक बार फिर पीएम नरेन्द्र मोदी पर जोरदार हमला बोला। मीसा भारती ने कहा कि पीएम मोदी ने सबसे ज्यादा किसी राज्य को ठगने का काम किया तो वो बिहार है। पीएम मोदी ने कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाएगा। स्पेशल पैकेज देंगे, बिहार की बंद चीनी मिलों को खुलवाकर उसकी चाय पियेंगे लेकिन न तो वे समय बता रहे हैं, न महीना और न ही साल बता रहे हैं। इस बात को दस साल हो चुके हैं। देश में तीन चरणों का लोकसभा चुनाव हो चुका है। मुझे नहीं लगता है कि बिहार से एनडीए गठबंधन एक भी सीट जीत रहा है। वहीं, इससे पहले मीसा भारती ने पटना में पीएम मोदी के रोड शो पर तंज कसते हुए कहा था कि दस सालों में पीएम मोदी ने जो वादे किए थे, वो तो पूरे किए नहीं, इसलिए उनको रोड शो करना पड़ रहा है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार को लेकर पीएम मोदी एक बार फिर बिहार आ रहे हैं। पीएम मोदी पहली बार दो दिनों तक यहीं रहेंगे। पीएम मोदी आज पटना में रोड शो करेंगे। पीएम मोदी का बेली रोड से पूरे डाक बंगला तक रोड शो का कार्यक्रम है। इसके बाद वे पटना में रात को आराम करेंगे। अगले दिन यानी 13 मई को पीएम बिहार की तीन लोकसभा सीटों हाजीपुर, वैशाली के मोतीपुर और सारण में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे और बीजेपी प्रत्याशियों को वोट करने की जनता से अपील करेंगे।

# लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी से ज्यादा केजरीवाल बीजेपी को दे रहे सीटें

## - तीसरी बार सत्ता का काबिज होने भाजपा कर ही 400 पार नारे का इस्तेमाल

**नई दिल्ली,(ईएमएस)।**

तीसरी बार देश की सत्ता पर काबिज होने के लिए बीजेपी इस बार 400 पार के नारे को खूब इस्तेमाल कर रही है। उसकी पूरी कोशिश यह नैरेटिव सेट करने की है कि एनडीए को 400 से ज्यादा सीटें मिलेंगी या कम। वहीं, विपक्षी दलों का दावा है कि मोदी इस बार अपने टारगेट और पीएम की कुर्सी से दूर रह जाएंगे। दो दर्जन से ज्यादा विपक्षी दलों वाले गठबंधन को कितनी सीटें मिलेंगी इसकी भविष्यवाणी भले ही नहीं की जा रही हो लेकिन राहुल गांधी से अरविंद केजरीवाल तक ने बीजेपी को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है।

विपक्षी गठबंधन में पीएम पद के सबसे प्रबल दावेदार राहुल गांधी की भविष्यवाणी है कि बीजेपी 150 या इससे कम सीटें ही जीतेगी। राहुल गांधी ने पिछले दिनों कहा था कि पहले उन्हें लग रहा था कि बीजेपी 180 जीत सकती है, लेकिन अब लग रहा है कि 150 तक ही जीत सकती है। झारखंड की एक चुनावी रैली में भी उन्होंने कहा कि बीजेपी 150 सीटें नहीं जीत पाएगी। हालांकि, इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें मिल पाएंगी इस पर वह कोई आंकड़ा तो नहीं देते लेकिन यह यकीन रखते हैं कि कांग्रेस की अगुआई में सरकार बनने जा रही है। कथित शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद 50 दिन तिहाड़ जेल से लौटे अरविंद केजरीवाल ने भी बीजेपी को लेकर भविष्यवाणी की है। केजरीवाल ने बीजेपी के सत्ता से दूर होने का दावा किया। उन्होंने चुनावी विशेषज्ञों से बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि मेरा अपना आकलन है कि 4 जून के बाद मोदी सरकार नहीं बन रही है। हरियाणा में इनकी सीटें कम हो रही है, राजस्थान, कर्नाटक, दिल्ली, बिहार, महाराष्ट्र, बंगाल, झारखंड में सीटें कम हो रही हैं। बढ़ कहां रही है। बढ़ एक भी जगह नहीं रही। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है और सट्टा बाजार में भी चल रहा है कि इनकी 220 से 230 सीटें से ज्यादा नहीं आ रही हैं। मोदी सरकार नहीं बन रही है, इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है।एक तरफ राहुल गांधी बीजेपी को अधिकतम 150 सीटें दे रहे हैं तो दूसरी तरफ केजरीवाल कह रहे है भगवा दल 230 सीटों पर जीत हासिल कर सकती है।

### संक्षिप्त समाचार



## बिहार में बिजली गिरने से 11 की मौत

**नई दिल्ली ।** देश के कई राज्यों में आंधी बारिश और बिजली गिरने का दौर जारी है। बिहार में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि यहां 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। मौसम विभाग ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और कर्नाटक में आज तेज बारिश की संभावना जताई है। वहीं, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, केरल, कर्नाटक, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी हल्की बारिश होगी। यहां धूलभरी आंधी भी चलेगी।

## मेघालय की पहली महिला डीजीपी बनीं इदाशिशा नोंगरांग

**शिलॉन्ग ।** भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की वरिष्ठ अधिकारी इदाशिशा नोंगरांग मेघालय की पहली महिला पुलिस प्रमुख नियुक्त की गईं हैं। नोंगरांग एलआर बिश्नोई की जगह लेंगी जो 19 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा की अध्यक्षता में मेघालय सुरक्षा आयोग ने पुलिस प्रमुख पद के लिए पिछले महीने यूपीएससी से अनुमोदित तीन अधिकारियों में से नोंगरांग का चयन किया। संगमा ने कहा, नई पुलिस महानिदेशक के रूप में नियुक्ति पर आईपीएस इदाशिशा नोंगरांग को हार्दिक बधाई। बाधाओं को तोड़कर और इतिहास रचते हुए, वह इस पद पर आसीन होने वाली हमारे राज्य की पहली आदिवासी महिला बनी हैं। यह हम सभी के लिए बेहद गर्व का क्षण है। उन्हें शुभकामनाएं। इदाशिशा नोंगरांग 1992 बैच की भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं और खासी जनजाति से ताल्लुक रखती हैं। खासी जनजाति मेघालय के तीन प्रमुख आदिवासी समुदायों में से एक है। इससे पहले इदाशिशा नोंगरांग ने 2021 में मेघालय के कार्यवाहक डीजीपी के रूप में काम किया था। मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने राज्य की प्रथम महिला पुलिस प्रमुख को बधाई देते हुए कहा, बाधाओं को तोड़ते हुए और इतिहास रचते हुए, वह इस पद को संभालने वाली हमारे राज्य की पहली आदिवासी महिला बन गई हैं-हम सभी के लिए बहुत गर्व का क्षण। भारत में आचार संहिता लागू है, इसलिए चुनाव आयोग से मंजूरी मिलने के बाद नोंगरांग को डीजीपी के रूप में नियुक्त किया गया है। वर्तमान में नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड के महानिदेशक का पद संभालने वाले नोंगरांग ने कुछ साल पहले पूर्वी खासी हिल्स में पुलिस अधीक्षक का पद भी संभाला था।

## आतंकियों का सहयोगी गिरफ्तार

**बांदीपोरा।** जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सेना और पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन के दौरान एक आतंकी के सहयोगी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 4 पिस्टल और कई गोलियां भी जब्त की गई है। बांदीपोरा पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ पेठकोटे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल जांच चल रही है। जांच के बाद ही पूरी मामले की पूरी जानकारी दी जाएगी।

## संदेशखाली मामले में नया वीडियो वायरल, दावा

### प्रोटेस्ट के लिए 70 महिलाओं को 2-2 हजार मिले

**कोलकाता ।** पश्चिम बंगाल के संदेशखाली मामले में नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में भाजपा मंडल (बूथ) अध्यक्ष गंगाधर कायल टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ प्रोटेस्ट करने वाली 70 महिलाओं को 2-2 हजार रुपए देने की बात कहते नजर आ रहे हैं। 45 मिनट के इस वीडियो में भाजपा नेता ने कहा- हमें 50 बूथों के लिए 2.5 लाख रुपए कैश की आवश्यकता होगी। इन बूथों पर 30 प्रतिशत प्रदर्शनकारी महिलाएं हैं। हमें यहां एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोगों को अच्छे पैसे देकर खुश रखना होगा। महिलाएं आगे की लाइन में रहकर पुलिस से मुकाबला करेंगी। वीडियो को लेकर टीएमसी प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा- भाजपा के फर्जी नैरेटिव की सच्चाई सबके सामने आ रही है। वहीं, भाजपा प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने वीडियो को बेबुनियाद और फेक बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले टीएमसी फर्जी वीडियो जारी कर नैरेटिव बदलना चाहती है। इसके अलावा 10 मई को भी संदेशखाली केस से जुड़ी एक महिला का इंटरव्यू वायरल हुआ था। इसमें उसने बताया था कि उससे ब्लैंक पेपर पर साइन कराया गया था, जिसका इस्तेमाल रेप की फर्जी शिकायत दर्ज कराने में किया गया था।

# आईसीएमआर की चेतावनी- पैकेज्ड फूड पर लेबल के दावे हो सकते हैं भ्रामक

## शुगर-फ्री प्रोडक्ट्स में हो सकता है ज्यादा फैट

**नई दिल्ली ।**

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर ने कहा है कि पैकेज्ड फूड पर लगे लेबल के दावे भ्रामक हो सकते हैं। साथ ही हेल्थ रिसर्च बॉडी आईसीएमआर ने यह भी कहा कि कंज्यूमर्स को पैकेज्ड फूड पर दी गई इंफॉर्मेशन को ध्यान से पढ़ना चाहिए, ताकि उन्हें जानकारी हो और वे अपने लिए हेल्दी फूड चुन सकें।

आईसीएमआर ने कहा कि कई प्रोडक्ट जो शुगर-फ्री होने का दावा करते हैं असल में उनमें फेट यानी वसा की मात्रा ज्यादा हो सकती है। जबकि पैक्ड फ्रूट जूस में केवल 10 प्रतिशत ही फ्रूट पल्प होता है। हाल ही में जारी अपनी गाइडलाइंस में आईसीएमआर ने कहा कि पैकेज्ड फूड पर हेल्थ क्लेम्स सिर्फ कंज्यूमर्स का ध्यान खींचने और उन्हें यह बताने के लिए डिजाइन किए जाते हैं कि प्रोडक्ट हेल्दी है।

**लेबल पर दी गई जानकारी हो सकती है भ्रामक**

आईसीएमआर के तहत हैदराबाद बेस्ड नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (एनआईएन) ने भारतीयों के लिए डाइटरी गाइडलाइंस जारी की है। एनआईएन ने कहा कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सख्त मानदंड हैं, लेकिन लेबल में दी गई जानकारी भ्रामक हो सकती है। कुछ उदाहरण देते हुए एनआईएन ने कहा कि किसी फूड प्रोडक्ट को नेचुरल कहा जा सकता है, यदि इसमें एडेड कलर्स, फ्लेवर्स और आर्टिफिशियल सब्सटेंसेस नहीं मिलाए गए हैं और यह मिनिमल प्रोसेसिंग से गुजरता है।

**जानकारी ध्यान से पढना चाहिए**

एनआईएन ने कहा कि नेचुरल शब्द का अक्सर इस्तेमाल किया जाता है, भले ही पैक्ड फूड में केवल एक या दो नेचुरल चीजें शामिल हों।

ऐसे में ये ये भ्रामक हो सकता है इसलिए लोगों को सामग्री और अन्य जानकारी को ध्यान से पढना जरूरी है। बेहतर सेहत के लिए पैक्ड फूड के लेबल पर किए गए दावों की अच्छे ये जांच करें। एनआईएन ने लेबल पर दिए गए बयानों के कुछ उदाहरण प्रस्तुत किए जो भ्रामक हो सकते हैं। रियल फ्रूट और फ्रूट जूस के दावे पर एनआईएन ने कहा कि स्नस्स्रद्घ रेगुलेशन के अनुसार, किसी भी फूड आइटम में अगर थोड़ी मात्रा हो भी, उदाहरण के लिए फ्रूट जूस वाले किसी प्रोडक्ट में सिर्फ 10 प्रतिशत फ्रूट मिलाए गए हों तो उसे यह कहने या बताने की अनुमति है कि प्रोडक्ट रियल फ्रूट पल्प या जूस से बना है।



# हथियार सप्लाई करने वाले मनीष यादव को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

**सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना में तार गोरखपुर से जुड़े**

**गोरखपुर।**

बीते दिनों मुंबई में बॉलिवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना के तार यूपी के गोरखपुर से जुड़े गए हैं। इस मामले में एसटीएफ के हाथ कई सुराग लगे हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से वारदात में प्रयोग की गई पिस्टल की सप्लाई गोरखपुर से हुई थी। हथियार सप्लाई करने वाले सक्रिय सदस्य मनीष यादव को एसटीएफ ने गोरखपुर गिरफ्तार किया है।

लॉरेंस गैंग से जुड़े मनीष की तलाश पिछले एक साल से पुलिस कर रही थी। मनीष गोरखपुर के बरगदवा का रहने वाला है। मनीष के खिलाफ गोरखनाथ थाने में बलवा, तोड़फोड़ का मुकदमा भी दर्ज है। जानकारी के मुताबिक मनीष यादव, शशांक पांडेय की वजह से लॉरेंस गैंग से जुड़ा। शशांक भी गोरखपुर के सिंघड़िया का रहने वाला है, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग को हथियारों की सप्लाई करता था। वह पिछले एक साल से अंबाला की जेल में बंद है। गोरखपुर एसटीएफ को हरियाणा एसटीएफ से सूचना मिली कि लॉरेंस गैंग का सक्रिय सदस्य मनीष यादव गोरखपुर के बरगदवा चौराहे पर खड़ा है। जानकारी मिलते ही एसटीएफ सक्रिय हुई और घेराबंदी कर बरगदवा चौराहे से उसे गिरफ्तार कर लिया। मनीष चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा का ही मूलनिवासी है। एक साल पहले कुरुक्षेत्र जिले में उसके खिलाफ आर्म्स ऐक्ट के तहत मुकदमा भी दर्ज था। वहीं तोड़फोड़ और बलवा का एक मामला गोरखनाथ थाने में भी उसके खिलाफ दर्ज है। सलमान के मुंबई के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के सामने 14 अप्रैल की सुबह 5 बजे फायरिंग की गई थी। दो आरोपी बाइक पर सवार होकर आए और पांच राउंड फायर किए थे। दोनों शूटर बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के रहने वाले हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

# हिंदू नेताओं को धमकी देने के मामले में एक और हिरासत में, कोर्ट ने १२ दिन की रिमांड दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, मौलाना द्वारा कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए दी गई धमकी के मामले में क्राइम ब्रांच एक-एक कर आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है. हिंदू संगठनों और हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े लोगों को फोन पर धमकियां देने की घटनाएं सामने आईं. इसके आधार पर एनआईए समेत जांच एजेंसियां जांच में जुट गई हैं. क्राइम ब्रांच ने मोहम्मद साबिर को कोर्ट में पेश कर १२ दिन की रिमांड हासिल कर ली है.




चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि मौलाना और अन्य सांप्रदायिक विचारधारा वाले लोगों द्वारा हिंदू संगठनों के नेताओं को फोन पर धमकियां दी जा रही थीं और उनकी रेकी भी की गई थी. इस मामले में मौलवी, साबिर और महाराष्ट्र के नांदेड़ के रहने वाले एक शख्स की संलिप्तता सामने आई है. उपदेश राणा को कॉन्फ्रेंस कॉल कर धमकी दी गई थी. जिसके आधार पर जांच भी शुरूकर दी गई है.

क्राइम ब्रांच के डीसीपी बी.पी. रोजिया ने बताया कि बिहार से मोहम्मद साबिर की गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया. माननीय न्यायालय द्वारा १२ दिन का रिमांड स्वीकृत किया गया है. सनातन धर्म के संस्थापक उपदेश राणा को जान से मारने के लिए हथियार और उनकी रेकी के बारे में सोशल मीडिया चैट से बहुत कुछ पता चला है. मोहम्मद साबिर के बाद महाराष्ट्र के नांदेड़ से शकील उर्फ रजाक सत्तार शेख को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ के लिए सूरत लाया गया है. शकील की भूमिका भी अहम बताई जा रही है. उन्होंने आगे कहा कि कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान वह धमकी भी दे रहा था और यह भी पता चला है कि उपदेश राणा, राजा सिंह और नुपुर शर्मा की रेकी करने की बात हुई थी. जिसके आधार पर जांच शुरूकर दी गई है. सोशल मीडिया के जरिए अभी भी ५ से ७ लोगों से पूछताछ की जा सकती है. जो सोशल मीडिया के जरिए आरोपियों के संपर्क में थे.

# मातृ दिवस: गुजरात की २३ वर्षीय बेटी ने २७ बच्चों को पाला, सभी का नाम 'लड़की'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भगवान सभी स्थानों तक नहीं पहुंच सकते इसलिए उन्होंने मां को बनाया और यह बात साबित होती है। उन्नति शाह, सूरत की २३ वर्षीय लड़की। जो छोटी सी उम्र में २७ गरीब और असहाय बच्चों को एक मां की तरह पाल रही है और उन्हें पढ़ाकर सहारा भी दे रही है।

**मई के दूसरे रविवार को मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है** मई के दूसरे रविवार को हम सभी मातृ दिवस के रूप में मनाते हैं। मां की महत्ता को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। भगवान ने मां को इसलिए ही बनाया है क्योंकि वह हर जगह नहीं पहुंच सकती. सूरत शाह के उदय ने इस कहावत को सार्थक कर दिया है। सूरत के अडाजण इलाके में एक बंगले का नाम लड़की रखा गया है। वजह ये है कि यहां एक बेटी २७ बेटियों की मां की तरह रक्षा करती है.

उन्नति को ज्योतिष शास्त्र में महारत हासिल है। उन्नति शाह ने कहा कि तीन साल पहले मेरी पत्नी का कोरोना में निधन हो गया. उन्होंने अपनी वसीयत में संपत्ति मेरे पिता यानी अपने भाई रजनीकांत भाई शाह के नाम कर दी. वह चाहते थे कि उनका पैसा अच्छे कामों में लगे, इसलिए मेरे पिता गरीबों को खाना खिलाते थे और जरूरतमंदों को भोजन किट देते थे। जिसे मदद की जरूरत है. मैं उन्हें गोद लेकर उनकी जिम्मेदारी लेना चाहती हूं और अपनी मां के इस अच्छे विचार को समझने के बाद मैंने अपने पिता से मिलकर तीन साल पहले लड़की नाम से एक संस्था शुरूकी। रजनीकांत भाई ने कहा कि यहां हर बेटी को जाति नहीं बल्कि लड़की उपनाम दिया जाता है।

**सभी बेटियों का सरनेम एक ही है 'लड़की'** इस जगह की अच्छी बात और खासियत यह है कि यहां जो भी बेटी आती है वह बिना किसी जाति के आती है और इन सभी बेटियों को एक ही उपनाम यानी लड़की उपनाम दिया जाता है। ताकि कोई भेदभाव न हो. यहां करीब २७ लड़कियां हैं, हर लड़की के नाम के पहले लड़की उपनाम लगा हुआ है। कि तीन साल पहले जब लड़की लॉन्च हुई थी तब उन्नति २० साल की थी। और उन्होंने दो गोद ली हुई

# फैक्ट्री में खेलते समय डेढ़ साल के बच्चे ने पी लिया तेल, १७ दिन के लंबे इलाज के बाद हुई मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर से एक बार फिर माता पिता को चौंकाने वाला मामला सामने आया है. घटना सूरत के गोडादरा क्षेत्र में फैक्ट्री में काम करने जा रहे एक परिवार के साथ घटी. १५ दिन पहले परिवार के दो बेटे खेल रहे थे. तभी डेढ़ साल के बेटे ने तेल पी लिया और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. हालांकि, इलाज के दौरान मौत हो गई.

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोडादरा क्षेत्र में रहने वाले अनिल रॉय १५ दिन पहले अपनी कंपनी में काम कर रहे थे. इसी बीच उनकी पत्नी शिवकुमारी दोपहर का खाना खाकर अपने बच्चों के साथ घर से कंपनी पहुंचीं. हमेशा की तरह जब भी वह कंपनी जाती थी तो अपने पति के काम में मदद करती थी. एक बोतल पानी से भरी थी और दूसरी तेल से भरी पड़ी हुई थी. इसी बीच बच्चा खेल-खेल में बोतल खोलकर पानी की जगह तेल पी गया. जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई. इसके बाद एक निजी अस्पताल ले जाया गया था. वहां से फिर उसे सिविल अस्पताल लाया गया. जहा इलाज शुरू किया गया. लंबे इलाज के बाद बच्चे की मौत हो गई. छोटे बच्चे की मौत माता पिता दोनों ही काफ़ी दुःख है.

बच्चे के पिता से बात करने पर उन्होंने बताया ''यह घटना कुछ दिन पहले की है जब मेरी पत्नी खाना लेकर कंपनी में आई थी. बच्चा पानी की जगह तेल पी लिया था और जिसके बाद निजी अस्पताल में इलाज के बाद उसे सिविल अस्पताल में इलाज के लिए लाया आया था. दो दिन बाद बच्चे की सेहत में सुधार हो गया और वह स्पोर्टी दिखने लगा. जब डॉक्टर उसे दवा देते थे तो बुखार कुछ देर के लिए ही उतरता था और फिर चढ़ जाता था. डॉक्टर ने बताया कि उनके फेफड़ों में पानी भर जाने के कारण उन्हें निमोनिया हो गया है. इससे आपका बच्चा मर गया है.

# फोन कर बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले को उधना पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पिछले कुछ समय में गुजरात में धमकी मिलने के कई बड़े मामले सामने आए हैं. इससे पहले गुजरात में लोकसभा चुनाव के मतदान के ठीक एक दिन पहले ६ मई को ३० से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की ईमेल के माध्यम से धमकी मिली थी. बाद में जांच पड़ताल के बाद यह सूचना झूठी निकली. धमकी भरे इस ई-मेल का मामला पाकिस्तान से जुड़ा है. इसके अलावा कुछ दिन पूर्व ही सूरत के हिंदू नेता उपदेश राणा को मारने की सुपारी देने के मामले में पुलिस ने मौलवी अबुबकर टीमोल को पकड़ा था. इसमें मौलवी के पाकिस्तान, नेपाल और अन्य देशों के लोगों से मिलकर हिंदू नेताओं को जान से मारने की धमकी देने की बात का खुलासा हुआ था. इसी तरह एक बार फिर सूरत पुलिस कंट्रोल रूम में ११ मई शाम को शहर में तीन जगहों पर बम




धमाकों की सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच, एसओजी और पुलिस समेत टीम बम ढूंढने मे जुट गई थी. जिसमें पुलिस ने पूरी रात कॉम्बिंग कर एक युवक को गिरफ्तार किया. युवक यूपी का रहने वाला है. फिलहाल पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है.

उधना क्षेत्र में रहने वाले अशोक सिंह नाम के युवक ने शाम करीब साढ़े सात बजे पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया. जिसमें उन्होंने धमकी दी कि रात 11:55 मिनट पर शहर के अलग-अलग जगहों पर बम ब्लास्ट किए जाएंगे. फोन आते ही पुलिस कंट्रोल रूम की ओर से सारी जानकारी संबंधित अधिकारियों को दे दी गई और जांच शुरू हुई. फोन करने वाले ने ब्लास्ट का जो समय दिया था उससे पहले ही उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने उसकी खोज चालु कर दी थी. जिसमें सूरत क्राइम ब्रांच, एसओजी और स्थानीय पुलिस को लगाया गया था. जिसके बाद कॉल करने वाले की लोकेशन ट्रेस की गई साथ ही स्थानीय मुखबिरों की भी मदद ली गई. जिसके आधार पर पुलिस ने अशोक सिंह नाम के शख्स को हिरासत में लिया. अशोक सिंह मूल रूप से यूपी का रहने वाला है और सूरत में दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करता है. पता चला कि पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल इसी युवक ने किया था.

डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने कहा कि बम की धमकी वाला फोन कंट्रोल रूम में किया गया. फोन करने वाले को ढूंढने के लिए क्राइम ब्रांच, एसओजी और उधना पुलिस की टीम काम पर लग गई थी. गहराई से जांच करने पर पता चला कि कॉल उधना क्षेत्र से किया गया है. उधना पुलिस भी रातभर कॉम्बिंग में शामिल रही. फोन करने वाले अशोक सिंह की पहचान कर ली गई है. वह मूल रूप से यूपी का रहने वाला है और सूरत में दिहाड़ी मजदूर का काम करता है. क्या ये कॉल करने में अन्य लोग भी शामिल हैं? उन्हें यह फ़ोन करने की जानकारी कैसे मिली? क्या उसने अब तक की पूछताछ में सही जवाब दिये हैं? इसकी भी जांच की जा रही है. अब अशोक सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है और आईपीसी की धारा के तहत कानूनी कार्रवाई शुरूकी गई है.

# दांडी समुद्र में ७ लोग डूबे: मां-दो बेटों समेत ४ लापता, ३ को होम गार्ड और पुलिस ने बचाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के दांडी तट पर रविवार की छुट्टी मनाने गए तीन परिवारों के ७ लोग समुद्र के पानी में डूब गए और चीख-पुकार मच गई। पुलिस कर्मियों और होम गार्ड ने ३ लोगों को बचाया। मां और दो बेटों समेत चार लोगों के लापता होने पर तलाश शुरूकर दी गई है। फायर ब्रिगेड और स्थानीय तैराक नावों की मदद से तलाश कर रहे हैं। उधर, पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से अन्य पर्यटकों को समुद्र तट से





हटा दिया। नवसारी जिला कलेक्टर भी दांडी तट पहुंचे.

**तीन परिवारों के सात लोग डूबे** आज रविवार को छुट्टी होने के कारण नवसारी के अलावा अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग दांडी तट पर घूमने आए थे. तीन अलग-अलग परिवारों के सात लोग उस समय डूब गए जब लोग समुद्र तट पर नहाने का आनंद ले रहे थे। जिसमें दो परिवारों के विपुलभाई ईश्वरभाई हलपति, राकेश और आतिश नाम के तीन लोगों को बचाया गया।

**मां और दो बेटों समेत चार लोग डूबे** नवसारी में रहने वाली सुशीलाबेन नाम की महिला अपने बेटे युवराज (उम्र २० साल), देशराज (उम्र १५ साल) और बहन की बेटी दुर्गा (उम्र १७ साल) के साथ राजस्थान से घूमने आई थीं चारों लोग समुद्र के पानी में डूब गये. उनकी तलाश की जा रही है.

**समुद्र में हाई टाइड के कारण डूबे लोग-** दांडी के पूर्व सरपंच परिमल पटेल ने बताया कि अभी समुद्र में हाई टाइड आ रहा है. पर्यटक ज्वार के पानी में चले जाते हैं, उन लोगों को पानी की कोई परवाह नहीं होती. आज जो घटना हुई वह भी हाई टाइड पानी के कारण हुई. सरकार को यहां बोर्ड लगाना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति समुद्र के गहरे पानी में न जाए ताकि जानमाल का नुकसान न हो।

**चार लोगों की तलाश की जा रही है.** दांडी समुद्र में आज आए हाई टाइड में चार लोगों के डूबने की खबर पर नवसारी-विजलपोर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची है. फायर टीम के अलावा स्थानीय तैराक नावों की मदद से समुद्र में तलाश कर रहे हैं। जलालपोर पुलिस की एक टीम भी दांडी तट पर पहुंची है और आगे की जांच की है।